बाइबल कहानी 1

टीचर की किताब





रविवार की आराधना का क्रम

1. आराधना और स्तुति

2. प्रेरितों का विश्वास-वचन
   प्रतिनिधि प्रार्थना

3. बाइबल पाठ

4. शिक्षक का उपदेश

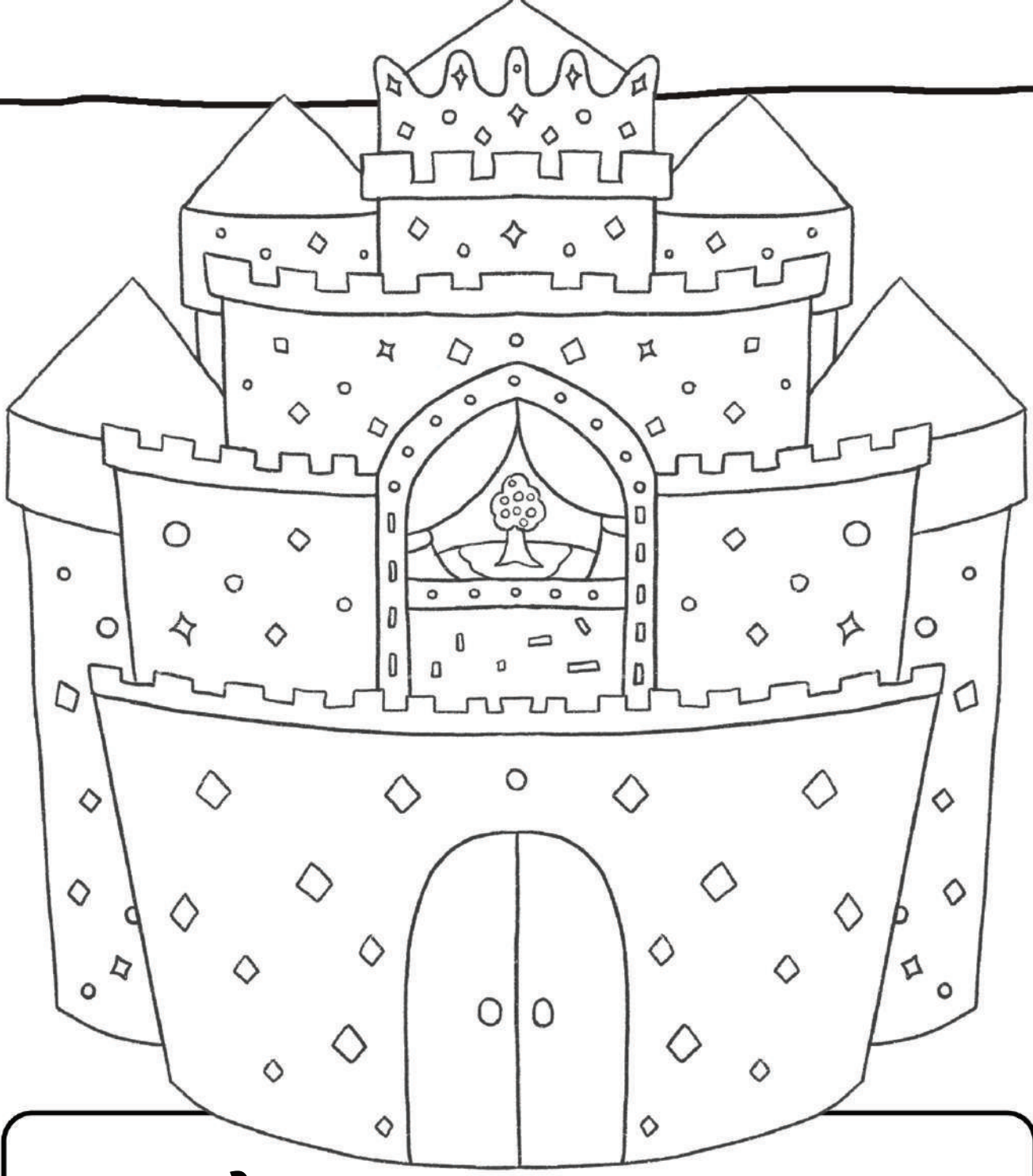
5. भेंट की प्रार्थना

6. प्रभु की प्रार्थना

7. घोषणाएँ
   नए मित्रों का स्वागत आदि।

8. आराधना के बाद की गतिविधियाँ
   प्रतिक्रिया / रंग भरने की पुस्तक / खेल गतिविधि





ध्यान के पद

- मरकुस 10:14
जब यीशु ने यह देखा, तो वह नाराज़ हुआ। उसने उनसे कहा, “छोटे बच्चों को मेरे पास आने दो, और उन्हें मना मत करो, क्योंकि परमेश्वर का राज्य ऐसे ही लोगों का है।”

- मरकुस 10:15
मैं तुमसे सच कहता हूँ, जो कोई परमेश्वर के राज्य को छोटे बच्चे की तरह ग्रहण नहीं करेगा वह उसमें कभी प्रवेश नहीं करेगा।



- नीतविचन 22:6
बच्चे को उसी मार्ग पर प्रशक्षिति करो जसि पर उसे चलना चाहएि; जब वह बूढ़ा होगा तब भी वह उससे नहीं हटेगा।

- लूका 9:48
फरि उसने उनसे कहा, “जो कोई मेरे नाम पर इस छोटे बच्चे का स्वागत करता है वह मेरा स्वागत करता है; और जो कोई मेरा स्वागत करता है वह मेरे भेजने वाले का स्वागत करता है। क्योंकि वह जो तुम सब में सबसे छोटा है वही सबसे बड़ा है।”



शक्षिक की पुस्तक

वषिय-सूची

आराधना के गीत --- 5
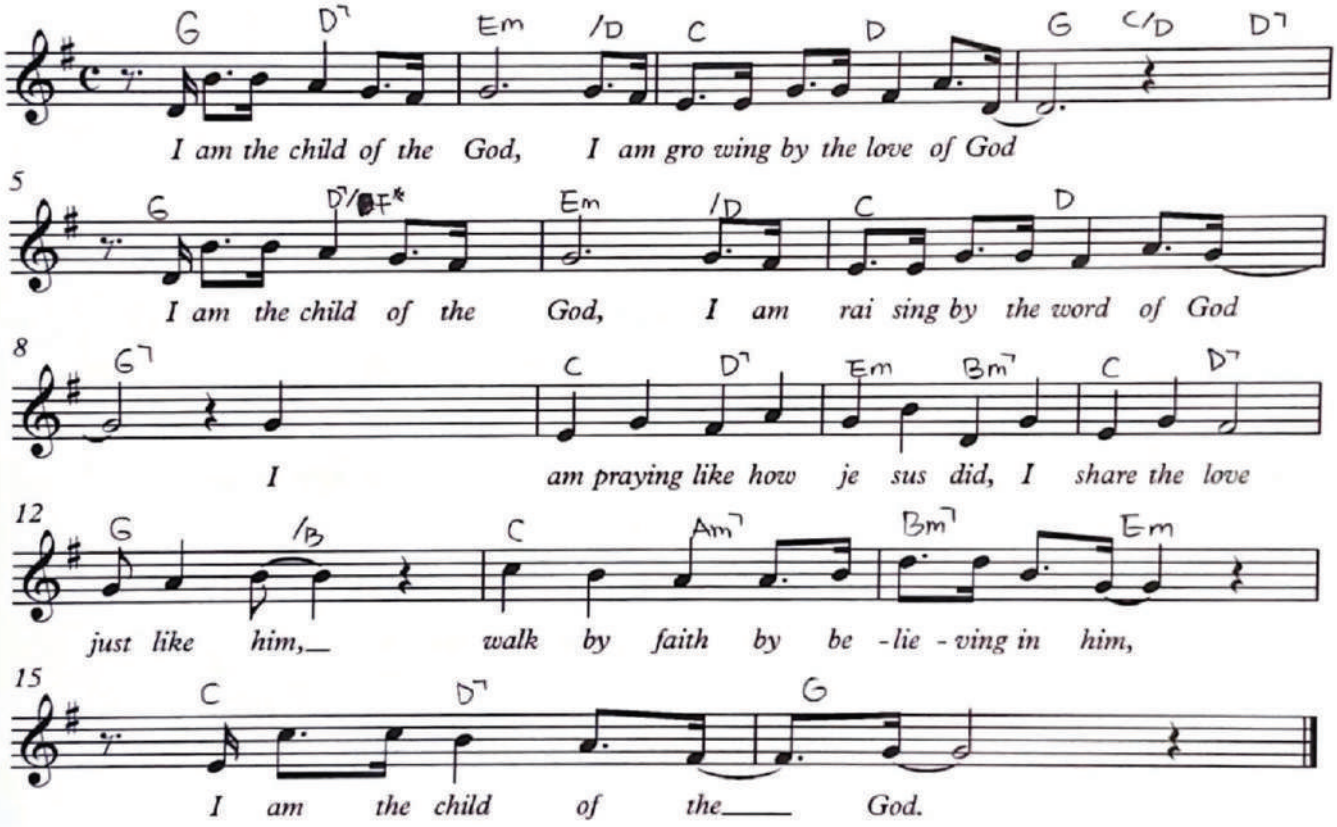
प्रेरतिों की प्रार्थना ---10

कहानी के अध्याय --- 12

कहानी की कठपुतलयिाँ--- 49
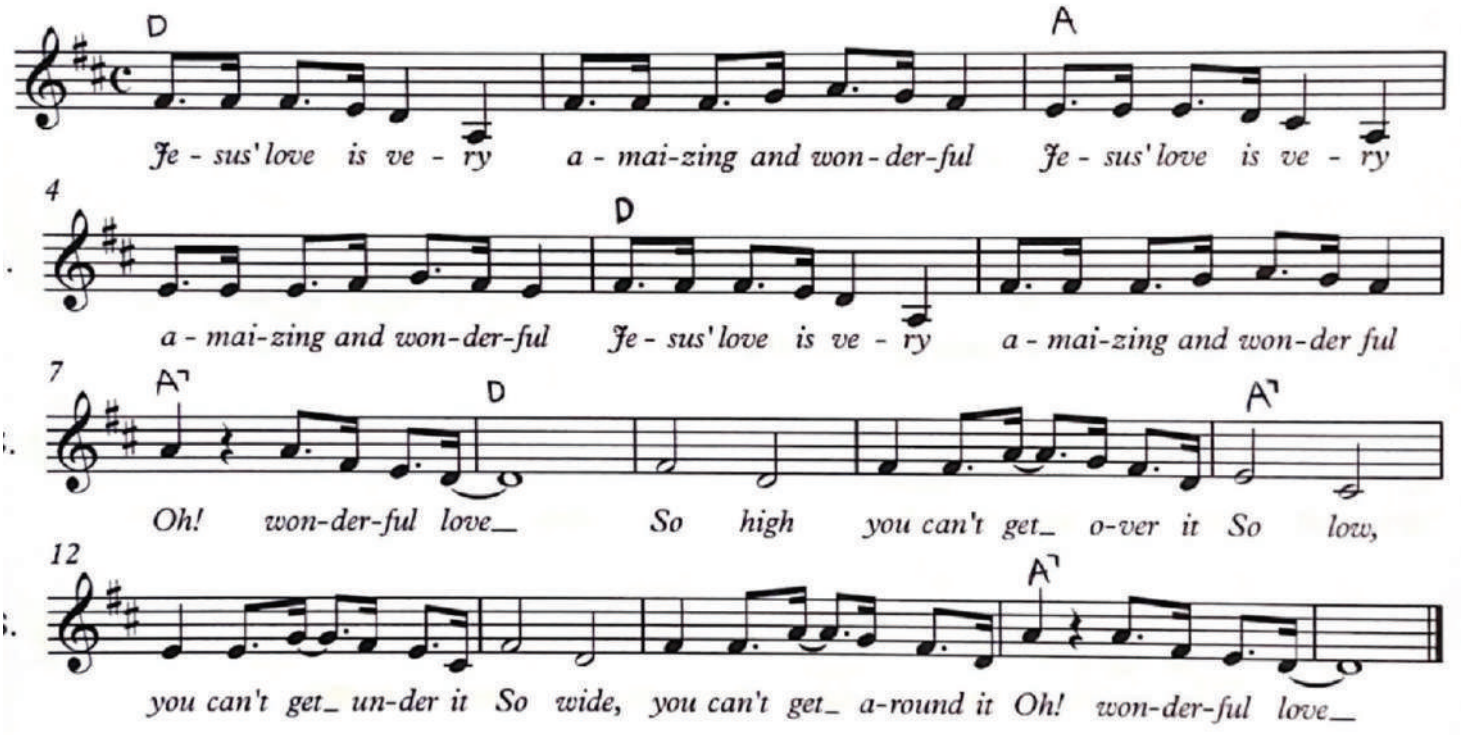
आराधना के गीत

1. I am the child of God
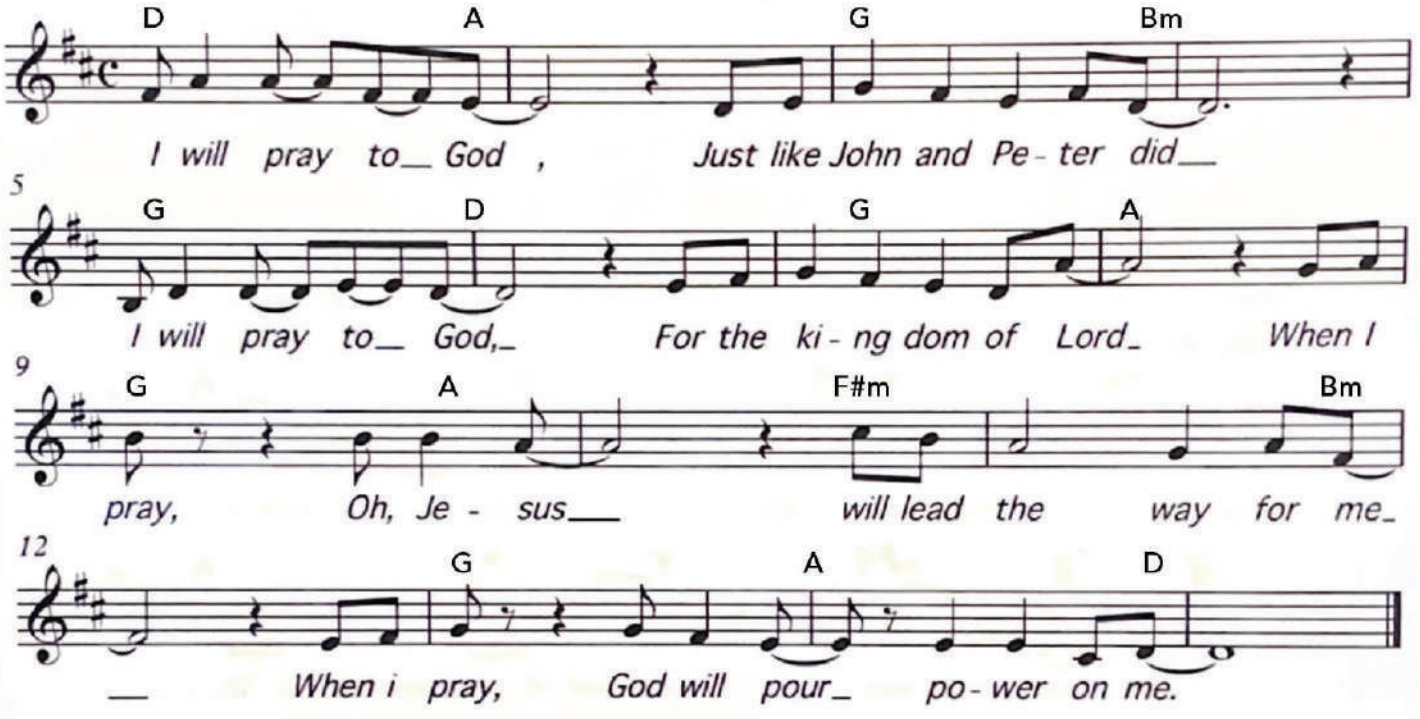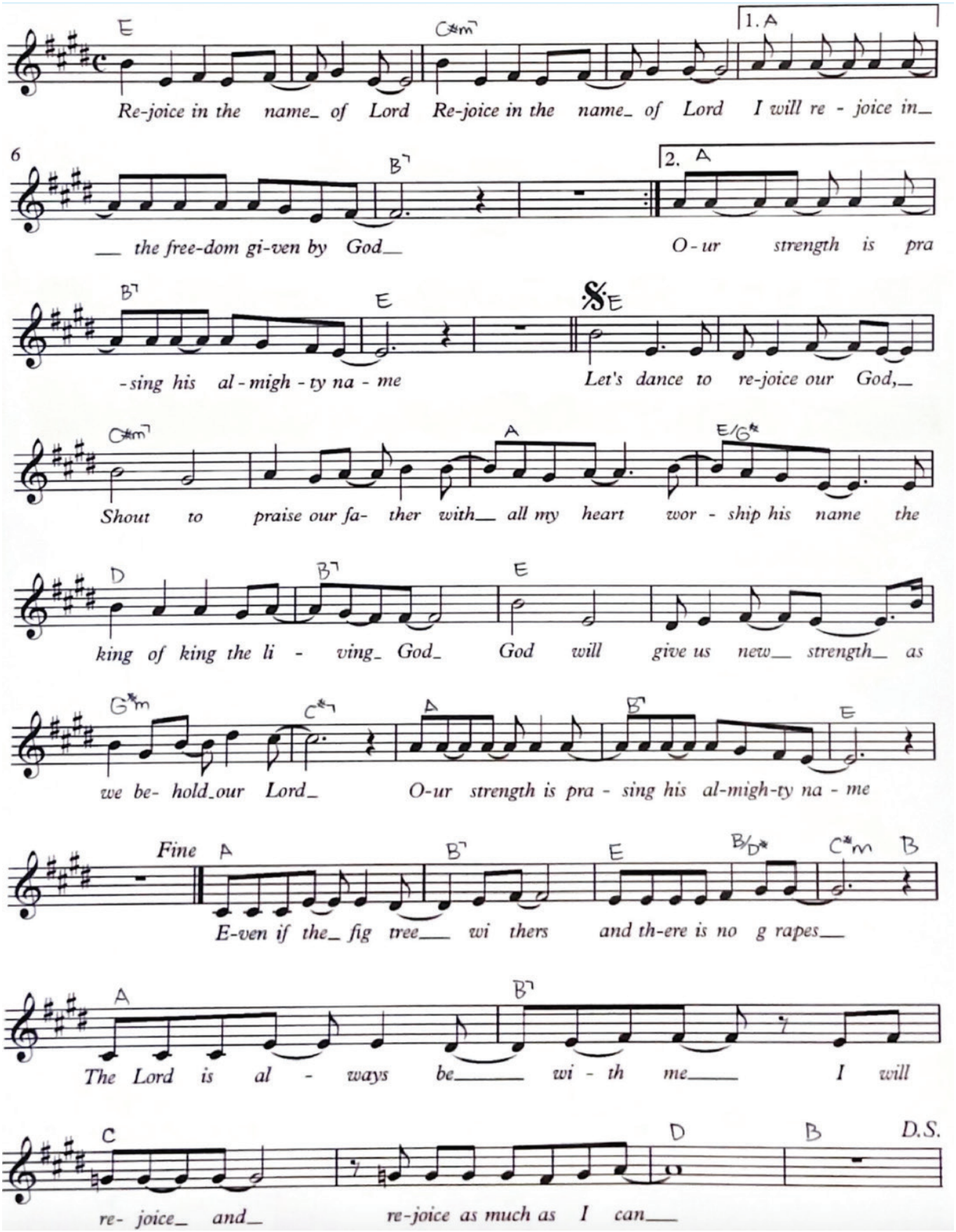




2. Jesus love is very wonderful
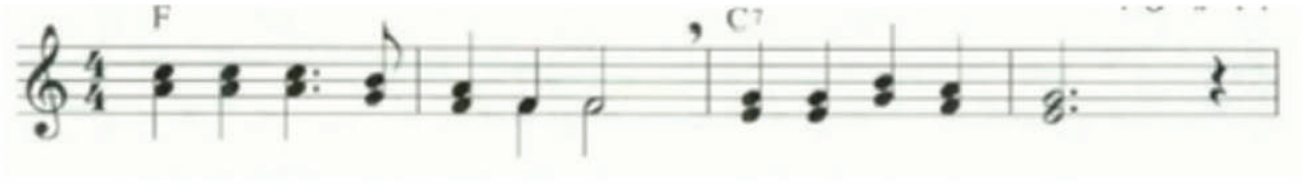


3. I WILL PRAY TO GOD
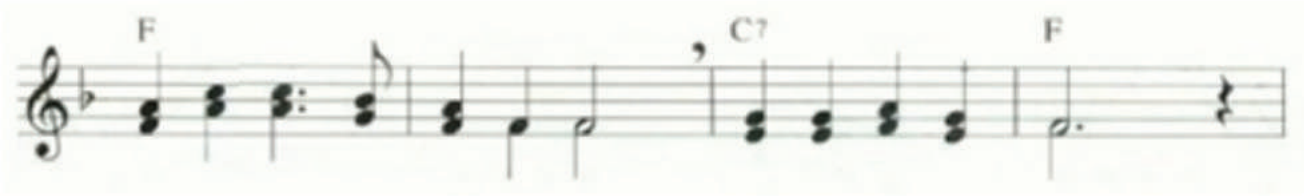


4. Rejoice in the name of the lord
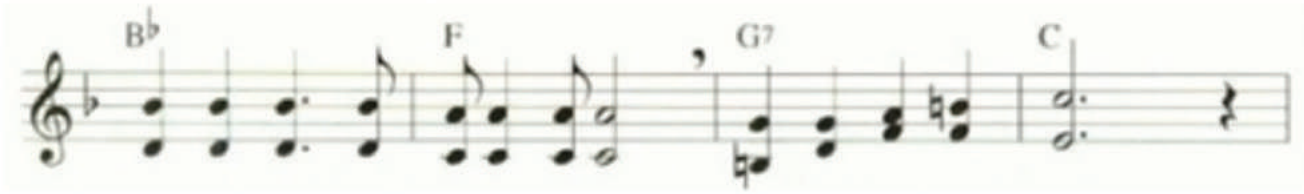


5. MONEY MONEY NO NO NO
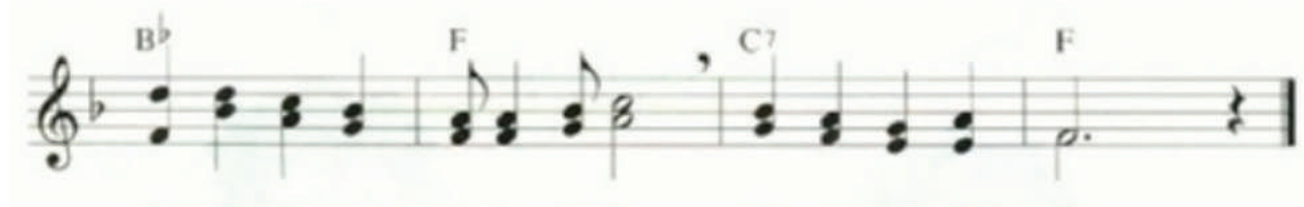


Money Money No No No No need for hea-ven



Power Power No No No No need for hea-ven
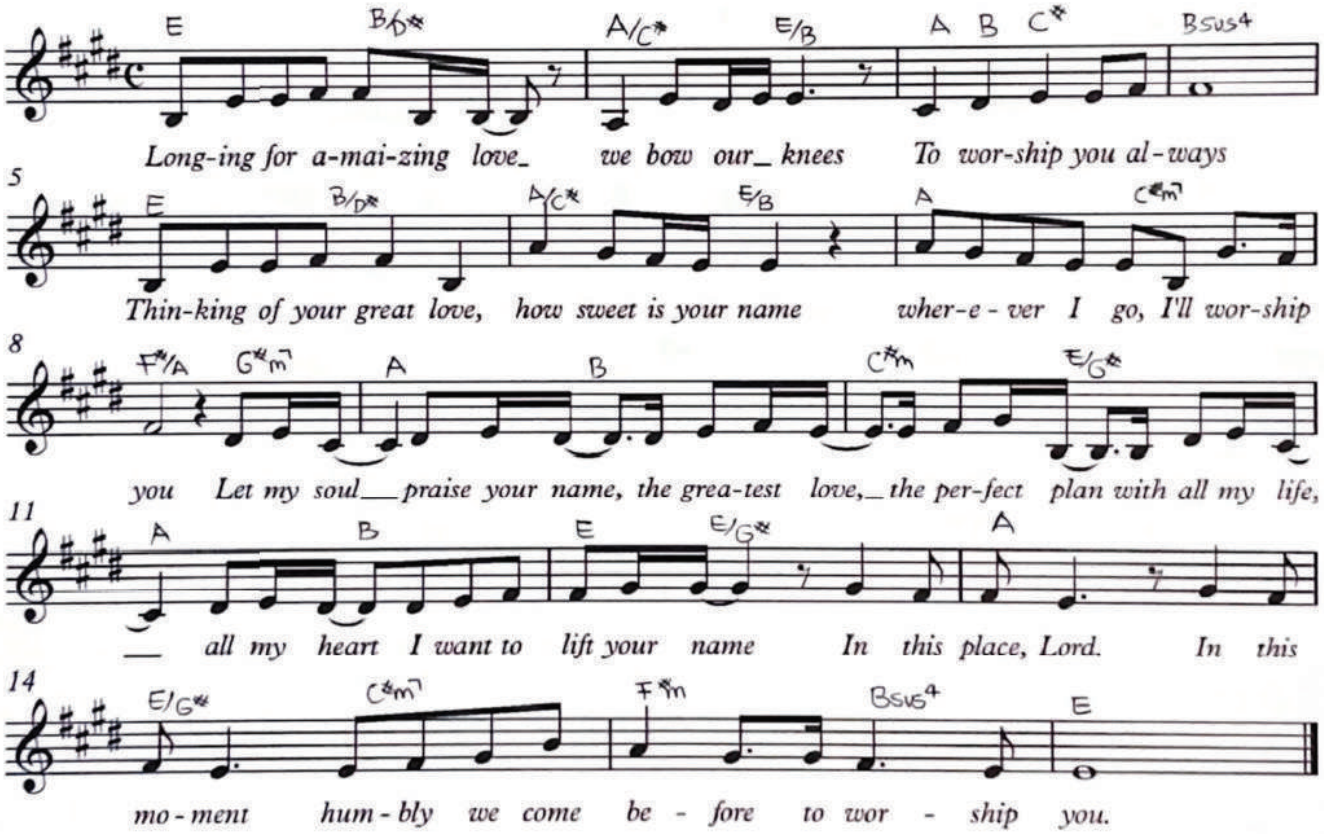


Receive Jesus as your savior and you will be there



Faith Faith Faith only by Faith you can be with God

6. I AM A WORSHIPER





प्रेरितों का विश्वास-वचन

मैं सर्वशक्तिमान पिता परमेश्वर पर विश्वास करता हूँ,
जो स्वर्ग और पृथ्वी का सृष्टिकर्ता है।

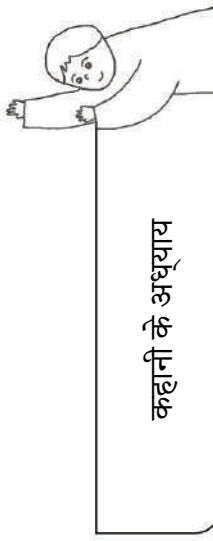
मैं उसके एकमात्र पुत्र, हमारे प्रभु यीशु मसीह पर
विश्वास करता हूँ,
जो पवित्र आत्मा से गर्भ में आए,
कुँवारी मरियम से जन्मे,
पुन्तियुस पीलातुस के शासन में दुःख उठाया,
क्रूस पर चढ़ाए गए, मर गए और गाड़े गए।
वे मृतकों के लोक में उतरे।
तीसरे दिन वे मृतकों में से जी उठे।
वे स्वर्ग पर चढ़ गए
और सर्वशक्तिमान पिता परमेश्वर के दाहिने हाथ बैठे
हैं।
वहाँ से वे जीवितों और मृतकों का न्याय करने आएँगे।

मैं पवित्र आत्मा पर,
पवित्र सार्वभौमिक कलीसिया पर,
पवित्र लोगों की संगति पर,
पापों की क्षमा पर,
शरीर के पुनरुत्थान पर
और अनन्त जीवन पर विश्वास करता हूँ।

आमीन।

कहानी के अध्याय





यदि तुम अपने परमेश्वर यहोवा की बात पूरी तरह मानोगे और उसकी उन सभी आज्ञाओं का ध्यानपूर्वक पालन करोगे जो मै आज तुम्हें देता हूँ, तो तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हें पृथ्वी की सभी जातियों से ऊँचा ठहराएगा।

व्यवस्थाविवरण 28:1

1-1

यीषु का जन्म

एक्शन गीत

मत्ती 1:21
“वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा।”

उपदेश कहानी पुस्तक

1.स्वागत अभविादन
2.पछिले सप्ताह हमने जनि वचनों का पालन कयिा —
3.उपदेश
प्रयि प्रयि मत्रिो,
क्या तुमने कभी सोचा है कयिीशु एक वनिम्र अस्तबल में क्यों पैदा हुए थे? क्या यह जज्ञिासापूर्ण नहीं है कपिरमेश्वर के पुत्र ने, जसिने दुनयिा बनाई, ऐसी साधारण जगह चुनी? क्या हो अगर यीशु एक शाही महल या अमीर घर में पैदा होते? वह गरीबों के लिए कोई अवसर नहीं छोड़ता।

यीशु एक अस्तबल में पैदा हुए ताकि हमारे पापों का बोझ उठाएँ - वह प्रकार जसिे दुनयिा में कोई और हल नहीं कर सकता था - और हमें परमेश्वर के बच्चे बनाएँ।

इसीलिए वह इस दुनयिा में एक ठंडे, नीच अस्तबल में आया।
वह दुनयिा में सभी को बचाने आया।
तो चलो यीशु की आज्ञा का पालन करें: “हमेशा वनिम्रता से अपने पड़ोसयिों से प्रेम करो।”
यीशु के जन्म के कारण, प्रयि मत्रिो, अब हम अपने पापों के लिए क्षमा और उद्धार प्राप्त कर सकते हैं, जसिसे हम केवल वश्विास करके स्वर्ग में प्रवेश कर सकते हैं

4.इस सप्ताह हम जनि वचनों का पालन करेंगे —

धन्यवाद कयिीशु मेरे लिए
इस धरती पर आए। धन्यवाद कमिैं यीशु पर वश्विास कर सकता हूँ,
उद्धार पा सकता हूँ, और स्वर्ग जा सकता हूँ।
जैसे यीशु हमारे पास आए,
मैं भी यीशु की ओर देखूँगा और
केवल यीशु के लिए जीऊँगा। आइए हर दनि यह प्रार्थना करते हुए धन्यवाद दें।

5.प्रार्थना दोहराएँ

यीशु, मेरे लिए इस धरती पर आने के लिए
धन्यवाद। धन्यवाद कमिैं भी यीशु पर वश्विास कर सकता हूँ

और उद्धार पा सकता हूँ।
कृपया हर दिन धन्यवाद के साथ प्रार्थना करने में मेरी मदद करें।
मैं यीशु के नाम में प्रार्थना करता हूँ।

6.आशीष की प्रार्थना

प्रतिक्रिया चर्चा संकेत

a) तुम किसके साथ यीशु के प्रेम को साझा करना चाहते हो, जैसे यीशु हमारे पास आया? तुम उनके लिए क्या कर सकते हो? (जैसे, सुसमाचार प्रचार, प्रार्थना)
b) यदि एक स्वर्गदूत मरियम की तरह तुम्हारे सामने प्रकट हो

खेल गतिविधि गाइड



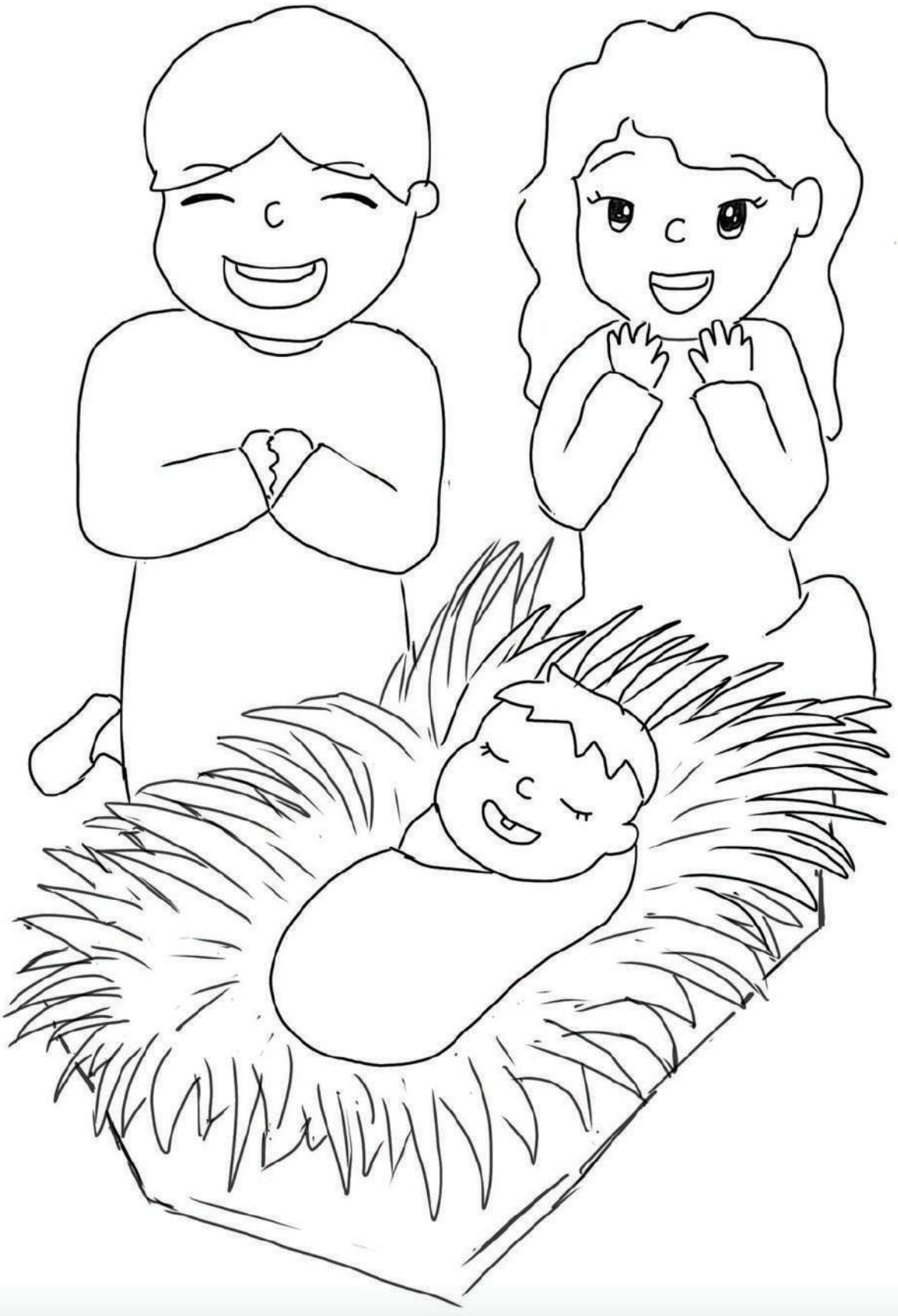
यीशु का जन्म - जन्मदिन संदेश भेजना
- यीशु को जन्मदिन संदेश लिखें, उन्हें सजाएँ, और उन्हें रॉकेट के रूप में ऊपर भेजें।
- सामग्री: स्ट्रॉ, रंगीन कागज, गोंद, कैंची, रंगीन पेंसिल।

पाठ की प्रश्नोत्तरी

1. गलील के गाँव में रहने वाली उस सुंदर कुँवारी लड़की का नाम क्या था?
(उत्तर: मरियम)
2. मरियम से मंगनी करने वाले उस अच्छे जवान आदमी का नाम क्या था?
(उत्तर: यूसुफ)
3. उस स्वर्गदूत का नाम क्या था जिसने मरियम को बताया कि वह एक बच्चे को जन्म देगी?
(उत्तर: जिब्राईल)
4. स्वर्गदूत ने कहा कि जब बेटा पैदा होगा, तो उसका नाम क्या रखना है?
(उत्तर: यीशु)
5. यूसुफ दाऊद के नगर, किस जगह पर गया?
(उत्तर: बैतलहम)
6. सराय में जगह न होने के कारण यूसुफ और मरियम कहाँ गए?
(उत्तर: पशुओं के रहने की जगह / अस्तबल)
7. जन्म के बाद बालक यीशु को कपड़े में लपेटकर कहाँ लिटाया गया?
(उत्तर: चरनी में)
8. यूसुफ के सपने में एक स्वर्गदूत आया। उसने बताया कि मरियम किसके द्वारा गर्भवती हुई है?
(उत्तर: पवित्र आत्मा)
9. "यीशु" नाम का क्या अर्थ है?
(उत्तर: वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा)
10. बाइबल में लिखा है, "देखो, एक कुँवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र को जन्म देगी, और उसका नाम क्या रखा जाएगा?"
(उत्तर: इम्मानुएल)

रंग भरने की गतविधियाँ

मत्ती 1:21
“वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा।”



1-2

तारे का पीछा करते हुए

एक्शन गीत

मत्ती 2:6

“मेरे इस्राएल लोगों का चरवाहा।”

उपदेश कहानी पुस्तक

1.स्वागत अभिवादन
2.पिछले सप्ताह हमने जिन वचनों का पालन किया —

आइए हर दिन
इस धरती पर आए यीशु को धन्यवाद दें।

3.वचन
प्रिय प्रिय मित्रो,
ज्ञानी लोग पहाड़ों और नदियों को पार करके, दूर देशों से यात्रा करके यीशु से मिलने और जश्न मनाने आए। उन्हें ठीक से नहीं पता था कि कहाँ जाना है, लेकिन उन्होंने तारे का पीछा किया और उस अस्तबल में पहुँचे जहाँ यीशु पैदा हुए थे।

जैसे ज्ञानी लोगों ने तारे का पीछा किया, वैसे ही परमेश्वर ने तुम्हें यीशु, उसके पुत्र, से मिलने के लिए अगुवाई की, तुम्हारे मित्रों और परिवार के द्वारा जिन्होंने तुम्हारे साथ सुसमाचार साझा किया।

यदि कोई मित्र तुम्हें यीशु को जानने के लिए लाया, तो वह मित्र तुम्हारा “ज्ञानी व्यक्ति” बन गया।

इसी तरह, तुम परिवार के सदस्यों, मित्रों, और पड़ोसियों के लिए एक “ज्ञानी व्यक्ति” बन सकते हो जो अभी तक यीशु को नहीं जानते।

जैसे ज्ञानी लोगों ने अपने उपहार बड़ी देखभाल से तैयार किए और तारे का पीछा किया, हम सबसे बड़ा उपहार दे सकते हैं - सुसमाचार। यह उपहार परमेश्वर को बड़ी खुशी देगा।

क्या तुम भी किसी के “ज्ञानी व्यक्ति” बनोगे? चलो मिलकर प्रार्थना करें:
“मैं एक ज्ञानी व्यक्ति बनना चाहता हूँ जो यीशु की खुशखबरी साझा करे!”

4.इस सप्ताह हम जिन वचनों का पालन करेंगे —

उन बुद्धिमान लोगों की तरह जो यीशु को खोजने गए थे, इस सप्ताह दूसरों को यीशु के बारे में बताते हुए बिताएँ।
यदि आप किसी के बुद्धिमान व्यक्ति बनते हैं, तो प्रभु आपको याद रखेंगे।
हमारे दोस्तों, आप किसके बुद्धिमान व्यक्ति बनेंगे?
क्या यह बहुत रोमांचक नहीं है? आप यह कर सकते हैं, है ना?

5.प्रार्थना दोहराएँ —

यीशु! उन बुद्धिमान लोगों की तरह जो यीशु को खोजने गए थे, मैं
दूसरे लोगों के पास जाऊँगा और उन्हें यीशु से मिलने में मदद करूँगा।
यीशु, कृपया मेरी अगुवाई करें! यीशु के नाम में मैं प्रार्थना करता हूँ।

6.आशीष की प्रार्थना

प्रतिक्रिया चर्चा संकेत

a) यदि तुम ज्ञानी लोगों में से एक होते तो यीशु को क्या उपहार लाते?
b) तुम्हारे जीवन में कौन है जिसे तुम यीशु के पास ले जाना चाहोगे, जैसे ज्ञानी लोगों ने दूसरों को मार्गदर्शन दिया?

खेल गतिविधि गाइड

तारे का पीछा करना
- मोज़ेक तकनीकों का उपयोग करके एक बड़ा तारा एक साथ बनाएँ और एक बाधा कोर्स के माध्यम से उसका पीछा करें।
- सामग्री: कार्डबोर्ड, विभिन्न पीले कागज, गोंद, बाधा वस्तुएँ (हुला हूप्स, कुर्सियाँ, बक्से, आदि)।

पाठ की प्रश्नोत्तरी

1. राजा हेरोदेस के समय यीशु का जन्म किस जगह पर हुआ था?
(उत्तर: यहूदिया के बैतलहम में)
2. तारों का अध्ययन करते हुए पूर्व दिशा से आए लोग कौन थे?
(उत्तर: पूर्व से आए ज्योतिषी / बुद्धिमान पुरुष)
3. पूर्व से आए बुद्धिमान पुरुषों ने कहा कि वे उस बच्चे को ढूँढ़ रहे हैं जो यहूदियों का क्या बनकर पैदा हुआ है?
(उत्तर: राजा)
4. यह सुनकर कौन बहुत बेचैन हो गया कि यहूदियों का राजा पैदा हुआ है, क्योंकि उसे डर था कि कोई उसका राजपद छीन लेगा?
(उत्तर: राजा हेरोदेस)
5. किस चीज़ ने पूर्व से आए बुद्धिमान पुरुषों को उस जगह तक पहुँचाया जहाँ बालक यीशु था?
(उत्तर: तारा)
6. पूर्व से आए बुद्धिमान पुरुषों ने बालक यीशु को देने के लिए क्या खोला?
(उत्तर: वे बक्से जिनमें वे उपहार लाए थे / भेंट)
7. पूर्व से आए बुद्धिमान पुरुषों ने कौन-सी तीन भेंटें दीं?
(उत्तर: सोना, लोबान और गन्धरस)
8. पूर्व से आए बुद्धिमान पुरुषों को किसने कहा कि वे राजा हेरोदेस से दोबारा न मिलें और दूसरे रास्ते से वापस जाएँ?
(उत्तर: परमेश्वर)
9. महायाजकों ने भविष्यवक्ता की पुस्तक देखकर क्या उत्तर दिया कि मसीह कहाँ पैदा होगा?
(उत्तर: यहूदिया के बैतलहम में)
10. राजा हेरोदेस ने पूर्व से आए बुद्धिमान पुरुषों से कहा कि जब वे बच्चे को ढूँढ़ लें, तो वापस आकर उसे बताएँ। उसने झूठ बोलकर कहा कि वह भी क्या करेगा?
(उत्तर: वह भी जाकर बच्चे के जन्म की खुशी मनाएगा)

रंग भरने की गतविधियाँ

मत्ती 2:6
“मेरे इस्राएल लोगों का चरवाहा।”



1-3

यीषु का बपतिस्मा

एक्शन गीत
मत्ती 3:17
“यह मेरा प्रयि पुत्र है, जसिसे मै अतप्रिसन्न हूँ।”

उपदेश कहानी पुस्तक

1.स्वागत अभविादन
2.पछिले सप्ताह हमने जनि वचनों का पालन कयिा – आइए दूसरों को यीशु के बारे में बताएँ और
कसिी के बुद्धमिान व्यक्तबिनें।
3.वचन
प्रयि प्रयि मत्रिो,
क्या तुमने आज यूहन्ना बपतस्मिा देने वाले के बारे में सीखा?
यूहन्ना बपतस्मिा देने वाला वह था जसिने यीशु को बपतस्मिा दयिा। क्या यह अद्भुत नही है? यह परमेश्वर
की योजना का हस्सिा था, जसिके बारे में पुराने नयिम में लखिा गया था।
आज, हमने त्रएिकता के बारे में भी सीखा।
त्रएिकता का अर्थ है परमेश्वर पतिा, यीशु पुत्र, और पवत्रि आत्मा एक होना।
चलो प्रत्येक की भूमकिाओं का पता लगाएँ:
जब यीशु को बपतस्मिा दयिा गया और वह पानी से बाहर आया, परमेश्वर ने स्वर्ग से एक आवाज़ में बात
की, और पवत्रि आत्मा एक कबूतर के रूप में प्रकट हुआ।
यह दृश्य त्रएिकता की उपस्थतिका प्रतीक है। क्या यह आकर्षक नही है?
परमेश्वर की आवाज़ ने कहा, “यह मेरा पुत्र है, जसिे मै प्रेम करता हूँ और जसिसे मै अतप्रिसन्न हूँ।” ये
शब्द हम सबके सुनने के लएि कहे गए थे।
यीशु में वशि्वास करके, जसिे परमेश्वर ने हमारे पास भेजा, हम परमेश्वर के बच्चे बन सकते है।
क्या यह सरल नही है? यीशु में वशि्वास करके, हम परमेश्वर के बच्चे हो सकते हैं।
प्रयि मत्रिो, क्या तुम परमेश्वर के बच्चे बनना चाहते हो?
पहले, हमें अपने पापों का पश्चाताप करना होगा। जब हम प्रार्थना में यीशु के सामने अपनी गलतयिाँ
स्वीकार करते है, तो वह हमें क्षमा करता है।
पश्चाताप के बाद, हमें परमेश्वर के बच्चे बनने की कृपा मलिती है। क्या यह अद्भुत नही है?
चलो हम सब पश्चाताप करें और परमेश्वर के बच्चे बनें!
अब, अपना नाम पुकारो और कहो, “मै परमेश्वर का बच्चा हूँ!”

4.इस सप्ताह हम जनि वचनों का पालन करेंगे – हर दनि, आइए प्रार्थना करें
और परमेश्वर, यीशु, और पवत्रि आत्मा के नाम पुकारें।
जैसे यीशु ने बपतस्मिा लयिा, कृपया परमेश्वर मुझे भी स्वीकार करें। कृपया मुझे
परमेश्वर के ऐसे बच्चे की तरह जीने में मदद करें जसिे केवल प्रशंसा मलि। इस सप्ताह, आइए हर दनि
प्रार्थना करें और परमेश्वर के बच्चों की तरह जएिँ।

5.प्रार्थना दोहराएँ

यीशु! इस सप्ताह, मै हर दनि प्रार्थना करूँगा
और परमेश्वर के बच्चे की तरह जीऊँगा।
मै यीशु के नाम में प्रार्थना करता हूँ।

6.आशीष की प्रार्थना

प्रतिक्रिया चर्चा संकेत

a) यीशु की तरह बपतिस्मा की तैयारी के लिए तुम्हें किन पापों के लिए पश्चाताप करने की आवश्यकता है?

b) तुम उन पापों को दोहराने से कैसे बच सकते हो?

खेल गतिविधि गाइड

बपतिस्मा दृश्य

- कागज पर पाप लिखें, उन्हें फाड़ दें, और प्रतीकात्मक बपतिस्मा और आशीर्वाद प्राप्त करते हुए उन्हें एक टोकरी में रखें।
- सामग्री: कागज, टोकरी, बड़ा तौलिया या कपड़ा।

पाठ की प्रश्नोत्तरी

1. यहूदिया के जंगल में ऊँट के बालों से बने कपड़े पहनकर रहने वाले व्यक्ति का नाम क्या था?
   (उत्तर: यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला)
2. यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला अपनी कमर पर क्या बाँधता था?
   (उत्तर: चमड़े की पेटी)
3. यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला जंगल में टिड्डियाँ और क्या खाता था?
   (उत्तर: जंगली शहद / शहद)
4. लोग यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के सामने अपने किस बात को मानते हुए बपतिस्मा लेते थे?
   (उत्तर: अपने पापों को)
5. यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला जंगल में लोगों से ऊँची आवाज़ में कहता था कि क्या पास आ गया है?
   (उत्तर: स्वर्ग का राज्य)
6. यीशु, यूहन्ना से बपतिस्मा लेने के लिए गलील से किस नदी के पास आए?
   (उत्तर: यरदन नदी)
7. पहले यूहन्ना ने यीशु को रोकते हुए कहा कि वह यीशु के किस चीज़ को खोलने के योग्य भी नहीं है?
   (उत्तर: जूते का फीता)
8. जब यीशु बपतिस्मा लेकर पानी से बाहर आए, तब परमेश्वर का आत्मा किस रूप में नीचे उतरा?
   (उत्तर: कबूतर के रूप में)
9. स्वर्ग से आवाज़ आई, "यह मेरा प्रिय OOO है, जिससे मैं बहुत प्रसन्न हूँ।" खाली जगह में कौन-सा शब्द आएगा?
   (उत्तर: पुत्र)
10. यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने कहा कि वह पानी से बपतिस्मा देता है, लेकिन उसके बाद आने वाला व्यक्ति किससे बपतिस्मा देगा?
   (उत्तर: पवित्र आत्मा से)

रंग भरने की गतविधियाँ

मत्ती 3:17
“यह मेरा प्रयि पुत्र है, जसिसे मैं अतप्रिसन्न हूँ।”



1-4

यीषु की परीक्षा ली गई

एक्शन गीत
मत्ती 4:7
“प्रभु अपने परमेश्वर को मत परखो।”

उपदेश कहानी पुस्तक

1.स्वागत अभिवादन
2.पछिले सप्ताह हमने जिन वचनों का पालन किया – हर दिन प्रार्थना करें और परमेश्वर के बच्चे की तरह जिएँ।
3.वचन
प्रिय मित्रो, शैतान ने यीशु को लुभाने की कोशिश की।
शैतान ने सोचा कि वह यीशु को हरा सकता है और उसे धोखा देने की कोशिश की।
लेकिन यीशु ने शैतान की सभी परीक्षाओं को परमेश्वर के वचन से पार किया। शैतान डरकर भाग गया। हमें भी, यीशु की तरह बाइबल की शक्ति से शैतान की परीक्षाओं का विरोध करना चाहिए। ऐसा करने के लिए, हमें यीशु में विश्वास करना चाहिए, लगातार प्रार्थना करनी चाहिए, और उसके वचन के अनुसार जीना चाहिए।
जब हम ऐसा करते हैं, तो कोई समस्या या चिंता नहीं होगी क्योंकि शैतान हमारे पास आने की हिम्मत नहीं करेगा।
प्रिय मित्रो, यदि हम ईमानदारी से आराधना करें, खुशी से स्तुति गाएँ, और लगन से प्रार्थना करें, तो शैतान हमसे दूर रहेगा। वह हमसे डर जाएगा!
चलो हमेशा यीशु के करीब रहें, चाहे हम कहीं भी हों।

4.इस सप्ताह हम जिन वचनों का पालन करेंगे – जब आप झूठ बोलें, किसी के बारे में बुरी बातें कहें, या कुछ चुराने की कोशिश करें, तो हमारे दोस्तों को जोर से कहना चाहिए, “मेरे दिल को बुरा बनाने वाले शैतान, दूर चले जाओ!”
और परमेश्वर के वचन में जीना चाहिए।
इस सप्ताह के दौरान, आइए हर बात में
शैतान को हराएँ और परमेश्वर को खुश करें।
आप यह कर सकते हैं, है ना?

5.प्रार्थना दोहराएँ – यीशु, कृपया मेरी मदद करें कि मैं हर दिन यीशु के नाम में अपने अंदर के बुरे मन, कामों और विचारों को दूर कर सकूँ। इसलिए कृपया
मुझे आपको खुश करने में मदद करें। यीशु के नाम में
मैं प्रार्थना करता हूँ।

6.आशीष की प्रार्थना

प्रतक्रियिा चर्चा संकेत

a) तुम अक्सर कनि परीक्षाओं से संघर्ष करते हो?
b) जब शैतान तुम्हें परखने की कोशशि करे तो तुम कैसे वरिोध कर सकते हो?

खेल गतविधि गाइड

मूर्तयिों और इच्छाओं को दूर फेंकना (शेल गेम)
- छोटी बोतल के ढक्कनों पर व्यक्तगित पाप या कमजोरयिाँ लखिें और बड़े पर यीशु का नाम लखिें। बड़े ढक्कनों का उपयोग करके पापों को बाहर नकिालें।
- सामग्री: बोतल के ढक्कन, कागज, रंगीन टेप।

पाठ की प्रश्नोत्तरी

1. बपतस्मिा लेने के बाद यीशु ने जंगल में कतिने दनिों तक उपवास और प्रार्थना की?
(उत्तर: 40 दनि)
2. जंगल में भूखे यीशु के पास आकर उनकी परीक्षा लेने वाला कौन था?
(उत्तर: शैतान)
3. पहली परीक्षा में शैतान ने यीशु से कहा कि पत्थरों को आज्ञा देकर क्या बना दें?
(उत्तर: रोटी)
4. दूसरी परीक्षा में शैतान यीशु को पवत्रि नगर में कहाँ की चोटी पर ले गया?
(उत्तर: मंदरि की चोटी पर)
5. मंदरि की चोटी पर शैतान ने यीशु से क्या करने को कहकर उनकी परीक्षा ली?
(उत्तर: नीचे कूद जाओ)
6. तीसरी परीक्षा में शैतान यीशु को एक ऊँचे पहाड़ पर ले गया। उसने कहा कि अगर यीशु उसके सामने क्या करेंगे, तो वह उन्हें संसार के सारे राज्य दे देगा?
(उत्तर: झुककर उसकी आराधना करेंगे)
7. आखरिी परीक्षा में यीशु ने कहा, "हे शैतान, दूर हो जा!" और कहा कि केवल प्रभु अपने किसकी आराधना करनी चाहिए?
(उत्तर: परमेश्वर की)
8. शैतान के चले जाने के बाद कौन यीशु के पास आए और उनकी सेवा करने लगे?
(उत्तर: स्वर्गदूत)
9. पहली परीक्षा में यीशु ने कहा कि मनुष्य केवल रोटी से ही जीवति नहीं रहेगा, बल्कि किससे जीवति रहेगा?
(उत्तर: परमेश्वर के मुँह से नकिलने वाले हर वचन से)
10. दूसरी परीक्षा में यीशु ने उत्तर दयिा, "तुम प्रभु अपने परमेश्वर के साथ क्या न करना?"
(उत्तर: उसकी परीक्षा न लेना)

रंग भरने की गतविधियाँ

मत्ती 4:7
“प्रभु अपने परमेश्वर को मत परखो।”



1-5

पतरस, लोगों को जीतने वाला मछुआरा

एक्शन गीत
लूका 5:10
“मत डरो; अब से तुम मनुष्यों को पकड़ोगे।”

उपदेश कहानी पुस्तक

1.स्वागत
2.पछिले सप्ताह हमने जनि वचनों का पालन कयिा उनकी जाँच – जब आप
कुछ बुरा करने वाले थे, क्या आपने उसे
यीशु के नाम में दूर भगाया?
3.उपदेश
प्रयि मत्रिो, आज्ञाकारिता का क्या अर्थ है?
यदि हम परिभाषा देखें, तो इसका अर्थ है
“स्वेच्छा से पालन करना।”
आह, तो जब तुम्हारी माँ तुमसे कुछ करने को कहती है, तो तुम कहते हो, “हाँ, माँ!”
लेकनि कुछ बच्चे जवाब देते है, “नही, मै नहीं करना चाहता!”
ईमानदारी से, “नही” के बजाय “हाँ, मै करूँगा!” कहना एक ऐसा हृदय दखिाता है जो यीशु की शक्षिाओं को दर्शाता है। यीशु हमारी आज्ञाकारिता भी चाहता है।
पतरस ने एक बार यीशु के शब्दों को समझने में संघर्ष कयिा जब उसने उससे कहा, “गहरे पानी में जाकर अपने जाल डालो।” हालाँकि, जब पतरस ने यीशु की आज्ञा मानी, तो उसने अपने जाल मछलयिों से भरे हुए चमत्कार को देखा।
मत्रिो, पतरस की तरह, चलो अपने वचिारों को एक तरफ रख दें और उन दस आज्ञाओं का पालन करें जो यीशु ने हमें दी है।
जब हम ऐसा करते है, तो खुशहाल चीजें होंगी, जैसे पतरस के साथ हुईं।
चलो यीशु की आज्ञा का भी पालन करें कि अपने पड़ोसयिों से प्रेम करें और सुसमाचार साझा करें।
मत्रिो, तुम कर सकते हो, है ना?
4.इस सप्ताह हम जनि वचनों का पालन करेंगे – आइए वश्विास में पतरस जैसे बनें
ताकि यीशु हमें चुन सकें।
जब यीशु ने पतरस से कहा, तो उसने तुरंत फरि से जाल डाला और चला गया।
यीशु को उसकी आज्ञा मानना सबसे अधकि पसंद आया।
हमारे दोस्तों, इस सप्ताह आइए हम भी प्रार्थना करें
कि यीशु हमें चुनें और उनसे कहें
कि वे हमें पतरस की तरह प्यार करें।
आप ऐसा कर सकते है, है ना?
5.प्रार्थना दोहराएँ – यीशु, कृपया मुझे
पतरस की तरह अपने चुने हुए बच्चे के रूप में
इस्तेमाल करें। यीशु, कृपया
मुझे आशीष दें और मेरा इस्तेमाल करें। यीशु के
नाम में मै प्रार्थना करता हूँ।
6.आशीष की प्रार्थना

प्रतक्रियिा चर्चा संकेत

a) क्या तुमने कभी माता-पिता या शक्षिकों की आज्ञा मानी है भले ही तुम नहीं चाहते थे?
b) क्या तुम्हें आज्ञाकारिता के लिए पुरस्कृत किया गया है, जैसे पतरस ने कई मछलियाँ पकड़ीं?

खेल गतविधि गाइड

मछली बनाना
- कागज को मछली के आकार में मोड़ें और उन पर उन लोगों के नाम लिखें जिन्हें आप सुसमाचार सुनाना चाहते हैं। मछली को तैयार जाल या नाव के चित्र से जोड़ दें।
- सामग्री: रंगीन कागज, एक जाल या बड़ा नाव का चित्र।

पाठ की प्रश्नोत्तरी

1. पतरस नाव में जाकर मछलियाँ पकड़ता था। उसका काम क्या था?
(उत्तर: मछुआरा)
2. जिस झील में पतरस मछलियाँ पकड़ने गया था, उस झील का नाम क्या था?
(उत्तर: गलील की झील)
3. पतरस ने सारी रात जाल डाला, लेकिन उसने कितनी मछलियाँ पकड़ीं?
(उत्तर: एक भी मछली नहीं पकड़ी)
4. यीशु पतरस की नाव में बैठे और उससे नाव चलाकर कहाँ जाने और जाल डालने को कहा?
(उत्तर: गहरे पानी में / गहरी जगह पर)
5. जब पतरस ने यीशु की बात मानकर जाल डाला, तो इतनी सारी मछलियाँ पकड़ी गईं कि क्या फटने लगा?
(उत्तर: जाल)
6. मछलियाँ निकलकर भाग न जाएँ, इसलिए पतरस ने दूसरी नाव में बैठे किन लोगों को मदद के लिए बुलाया?
(उत्तर: अपने दोस्तों को / याकूब और यूहन्ना को)
7. पतरस बहुत हैरान हुआ। उसने यीशु के सामने घुटने टेककर अपने आपको क्या कहा और यीशु से दूर जाने को कहा?
(उत्तर: पापी)
8. यीशु ने पतरस से कहा, "डरो मत।" फिर उन्होंने कहा कि अब से पतरस किस तरह का मछुआरा बनेगा?
(उत्तर: मनुष्यों को पकड़ने वाला मछुआरा)
9. इस चमत्कार को देखकर पतरस के दो साथी भी बहुत हैरान हुए। उनमें से एक का नाम याकूब था। दूसरे का नाम क्या था?
(उत्तर: यूहन्ना)
10. यीशु की बात सुनकर पतरस और उसके दोस्तों ने नावों को किनारे पर लगाया, सब कुछ छोड़ दिया और किसके चेले बन गए?
(उत्तर: यीशु के)

रंग भरने की गतविधियाँ

लूका 5:10
“मत डरो; अब से तुम मनुष्यों को पकड़ोगे।”



1-6

पहला चमत्कार

एक्शन गीत
यूहन्ना 2:11
“यीशु ने गलील के काना में अपना पहला चिन्ह किया।”

उपदेश कहानी पुस्तक

1.स्वागत
2.पिछले सप्ताह हमने जिन वचनों का पालन किया उनकी जाँच – क्या आपने प्रार्थना की
कि यीशु आपको चुनें?
3.उपदेश
प्रिय मित्रो!
यीशु ने अपना पहला चमत्कार एक शादी के भोज में किया।
उसने इस खुशहाल अवसर को चुना क्योंकि वह चाहता है कि हम हमेशा खुश और आनंद से भरे रहें। शादियाँ हँसी और खुशी से भरी उत्सव हैं।
लेकिन शादी में हुए चमत्कार से भी बड़ा चमत्कार वह है जो तब होता है जब हम यीशु में विश्वास करते हैं - हम परमेश्वर के बच्चे बन जाते हैं।
सबसे बड़ा चमत्कार यह है कि हमारे पाप क्षमा हो जाते हैं।
पृथ्वी पर कोई भी हमारे पापों को क्षमा नहीं कर सकता, केवल यीशु कर सकता है।
हमें स्वर्ग के नागरिक बनने की अविश्वसनीय खुशी देने के लिए, यीशु ने क्रूस उठाया और हमारे पापों को सहा। जब हम यीशु को जानते हैं, तो हमें परमेश्वर के बच्चे बनने का चमत्कारी विशेषाधिकार मिलता है। उद्धार सभी चमत्कारों में सबसे बड़ा है।
मित्रो, चलो यीशु को, जिसने हमें उद्धार का यह चमत्कारी उपहार दिया, एक बड़ी तालियों की गड़गड़ाहट दें!

4.इस सप्ताह हम जिन वचनों का पालन करेंगे – हमारे दोस्तों, हमने सीखा कि
शादी में नई दाखरस
क्रूस पर यीशु के लहू को दिखाती है। इस सप्ताह,
मैं हर दिन प्रार्थना करूँगा और धन्यवाद दूँगा
यीशु को, जिन्होंने मेरे लिए क्रूस उठाया,
मुझे नरक से बचाया, और मुझे स्वर्ग जाने दिया।
आप ऐसा कर सकते हैं, है ना?

5.प्रार्थना दोहराएँ – यीशु! जैसे वहाँ
नई दाखरस थी, मेरे पापों को क्षमा करने
और मुझे स्वर्ग का व्यक्ति बनाने के लिए धन्यवाद।
इस सप्ताह, मैं हर दिन
मुझे बचाने के लिए धन्यवाद देते हुए जीऊँगा। यीशु के नाम में मैं प्रार्थना करता हूँ।

6.आशीष की प्रार्थना

प्रतक्रियिा चर्चा संकेत

a) तुम अपने परविार में कौन सा चमत्कार देखना चाहोगे, जैसे पानी का दाखरस बनना?
b) यीशु के वचन के अनुसार जीने के लिए तुम क्या प्रयास कर सकते हो?

खेल गतविधि गाइड

पानी के घड़े भरना

- कपों का उपयोग करके बनिा छलकाए घड़ों को पानी से भरने के लिए मलिकर काम करें। एक गुप्त पहले से भरे घड़े से रस से भरे कपों के साथ समाप्त करें।
- सामग्री: कागज के कप, दो समान घड़े (एक पानी से भरा, एक रस से)।

पाठ की प्रश्नोत्तरी

1. यीशु का पहला चमत्कार काना में कसि तरह की दावत में हुआ था?
   (उत्तर: शादी की दावत / ववािह की दावत)
2. दावत के दौरान कौन-सी चीज़ उम्मीद से जल्दी खत्म हो गई?
   (उत्तर: दाखरस)
3. सबसे पहले यीशु को कसिने बताया कि दाखरस खत्म हो गया है?
   (उत्तर: यीशु की माता / मरयिम)
4. दावत के घर में हाथ-पैर धोने के लिए पानी रखने वाले कतिने मटके थे?
   (उत्तर: छह मटके)
5. यीशु ने सेवकों से पत्थर के हर मटके को कसि चीज़ से पूरा भरने को कहा?
   (उत्तर: पानी से)
6. जब सेवकों ने उसमें से पानी नकिालकर ले जाकर दयिा, तो वह पानी कसिमें बदल चुका था?
   (उत्तर: दाखरस में)
7. दावत के अधकिारी ने स्वादष्टि दाखरस चखा और कसि बुलाकर उसकी बहुत प्रशंसा की?
   (उत्तर: दूल्हे को)
8. यीशु की माता ने सेवकों से कहा कि यीशु उनसे जो कुछ भी करने को कहें, वे क्या करें?
   (उत्तर: ठीक वैसा ही करें)
9. यहूदी लोग घर में प्रवेश करने से पहले अपने हाथ-पैर धोने के लिए जनि मटकों में पानी रखते थे, वे कसि चीज़ से बने थे?
   (उत्तर: पत्थर से)
10. पानी को दाखरस में बदलने का चमत्कार देखने के बाद यीशु के चेलों ने क्या कयिा?
    (उत्तर: उन्होंने यीशु पर वशि्वास कयिा)

रंग भरने की गतविधियाँ

यूहन्ना 2:11
“यीशु ने गलील के काना में अपना पहला चिन्ह किया।”



1-7

यीषु, आँधी आ गई है। मैं डर गया हूँ।

एक्शन गीत
लूका 8:24
“यीशु उठा और हवा और लहरों को डाँटा; तूफान थम गया, और सब शांत हो गया।”

उपदेश कहानी पुस्तक

1.स्वागत
2.पछिले सप्ताह हमने जनि वचनों का पालन कयिा उनकी जाँच – क्या आपने हर दनि प्रार्थना की
और आपको बचाने के लएि यीशु को धन्यवाद दयिा?
3.उपदेश
प्रयि प्रयि मत्रिो,
कल्पना करो कशिष्य तूफान का सामना करते समय कतिने डरे और भयभीत रहे होंगे।
एक नाव पर जो कसिी भी क्षण पलट सकती थी, शष्यि डर से काँप रहे थे। वे यीशु के पास भागे, जो सो रहा था, और उसे जगाया, मदद माँगते हुए।
वे मानते थे कयिीशु उनकी समस्या हल कर सकता है, यहाँ तक कअिपनी घबराहट में भी।
तो, काँपते दलिों के साथ, उन्होंने उसे जगाया, अपने आतंक को सहते हुए।
जब यीशु ने उनका डर और उस पर भरोसा देखा, तो उसने लहरों और हवा को शांत कयिा।
यीशु तब प्रसन्न होता है जब हम उस पर वश्विास रखते है और जब हम प्रार्थना करते है, उससे मदद माँगते है।
वह प्रेम करता है जब हम प्रार्थना में उसके पास दौड़ते है।
इस तरह प्रार्थना करने के लएि हमेशा तैयार रहने के लएि, हमें दैनकि प्रार्थना, स्तुतऔि और आराधना के माध्यम से यीशु के करीब रहना होगा।
मत्रिो, चलो हम सब हर दनि यीशु के करीब रहने के लएि प्रार्थना करें।
4.इस सप्ताह हम जनि वचनों का पालन करेंगे – हमारे दोस्तों, इस सप्ताह
आइए वश्विास के साथ प्रार्थना करें, जैसे यीशु ने पूछा,
“क्या तुम्हारे पास वश्विास है?”
इसलएि आइए एक सप्ताह अपने वश्विास के लएि यीशु से प्रशंसा पाते हुए बतिाएँ।
आइए वश्विास के साथ प्रार्थना करें और यीशु से प्रशंसा पाएँ। आप ऐसा कर सकते है, है ना?
5.प्रार्थना दोहराएँ – यीशु! इस सप्ताह, मै
वश्विास के साथ प्रार्थना करूँगा। इसलएि कृपया मेरे वश्विास को देखें और मेरी प्रार्थना का उत्तर दें इस पूरे सप्ताह। यीशु, कृपया मेरी मदद करें।
यीशु के नाम में मै प्रार्थना करता हूँ।
6.आशीष की प्रार्थना

प्रतक्रियिा चर्चा संकेत

a) तुम्हें सबसे ज्यादा कसि बात से डर लगता है?
b) क्या तुमने मदद के लएि यीशु से प्रार्थना की है? यदि नहीं, तो तुम कसिके लएि प्रार्थना करोगे?

खेल गतविधि गाइड

. वशि्वास वृक्ष शलि्प
- एक समूह के रूप में रंगीन पेड़ के हसि्सों को जोड़कर एक "बढ़ता हुआ" पेड़ बनाएँ।
- सामग्री: रंगीन कागज, कागज के कप।



पाठ की प्रश्नोत्तरी

1. यीशु अपने चेलों के साथ समुद्र के दूसरी ओर जाने के लएि कसिमें बैठे?
(उत्तर: नाव में)
2. जब वे नाव में जा रहे थे, तब अचानक समुद्र में क्या बहुत तेज़ी से चलने लगा?
(उत्तर: बड़ा तूफान / बड़ी लहरें)
3. लहरें नाव से टकराने लगीं और बहुत जल्दी नाव कसि चीज़ से भर गई?
(उत्तर: पानी से)
4. जब चेले डर रहे थे, तब यीशु नाव के पीछे क्या कर रहे थे?
(उत्तर: वे सो रहे थे)
5. चेलों को लगा कि वे मरने वाले हैं। उन्होंने जल्दी से कसिे पुकारा और जगाया?
(उत्तर: यीशु को)
6. यीशु नींद से उठे और हवा और तेज़ लहरों को क्या आज्ञा दी?
(उत्तर: रुक जाओ / शांत हो जाओ)
7. यीशु की आज्ञा सुनते ही तूफान और लहरों का क्या हुआ?
(उत्तर: वे रुक गए / शांत हो गए)
8. जसि समुद्र को यीशु और उनके चेले नाव में पार कर रहे थे, उसका नाम क्या था?
(उत्तर: गलील का समुद्र)
9. यीशु ने डर से काँप रहे चेलों को डाँटते हुए पूछा, "तुम्हारा क्या कहाँ है?"
(उत्तर: वशि्वास)
10. जब चेलों ने देखा कि हवा और समुद्र भी यीशु की आज्ञा मानते हैं, तो वे हैरान होकर कहने लगे, "यह कौन है?" इसके बाद उन्होंने क्या कयिा?
(उत्तर: वे आपस में बातें करने लगे / डर गए)

रंग भरने की गतविधियाँ

लूका 8:24
“यीशु उठा और हवा और लहरों को डाँटा; तूफान थम गया, और
सब शांत हो गया।”



1-8

पिता! मैं घर वापस जाना चाहता हूँ।

एक्शन गीत

लूका 15:31
"तू हमेशा मेरे साथ है, और जो कुछ मेरा है वह तेरा है।"

उपदेश कहानी पुस्तक

1.स्वागत

2.पछिले सप्ताह हमने जनि वचनों का पालन कयिा उनकी जाँच – क्या आपने वशि्वास के साथ प्रार्थना की?

3.वचन

प्रयि मत्रिो,

उड़ाऊ पुत्र ने वह सारा पैसा जो उसके पतिा ने उसे दयिा था खर्च कर दयिा और एक भखिारी के रूप में घर लौटा। फरि भी उसके पतिा ने आँसुओं के साथ उसका स्वागत कयिा और उसके लयि एक उत्सव मनाया। यह ठीक हमारे लयि परमेश्वर के प्रेम जैसा है। भले ही हम उससे दूर भटक जाएँ - प्रार्थना, स्तुत,ि या आराधना की उपेक्षा करते हुए - परमेश्वर धैर्यपूर्वक हमारी प्रतीक्षा करता है। यहाँ तक कि जब हम उसके वचन के अनुसार जीने में असफल होते हैं, तब भी वह प्रतीक्षा करता रहता है।

जैसे पतिा हर दनि अपने बेटे के घर आने की प्रतीक्षा करता था, परमेश्वर हमारी वापसी, उसका नाम पुकारने, और उसके बच्चों के रूप में जीने की प्रतीक्षा करता है।

यदि हम परमेश्वर के बच्चों के रूप में नहीं जीए हैं, तो चलो अभी अपने हाथ जोड़कर उससे प्रार्थना करें। उसे। चलो अपने पतिा, परमेश्वर के पास लौटें।

जब हम ऐसा करते हैं, तो हमारे अच्छे पतिा बहुत खुश और प्रसन्न होंगे क्योंकि वह हमसे गहराई से प्रेम करता है। चलो अपने अद्भुत पतिा, परमेश्वर को एक बड़ी तालयिों की गड़गड़ाहट दें!

4.इस सप्ताह हम जनि वचनों का पालन करेंगे – उस बेटे की तरह जसिने अपना सारा पैसा खर्च कर दयिा, फरि गरीब हो गया, और अपने पतिा के घर वापस आया, आइए हम भी उन बातों के बारे में सोचें जो हमने गलत की। आइए पश्चाताप करें अपने माता-पतिा की बात न सुनने के लयि और परमेश्वर के सामने हमने जो भी गलत कयिा उसके लयि, और यह सप्ताह क्षमा पाते हुए बतिाएँ। इस सप्ताह, आइए समय नकिालें अपने सभी पापों को मानने और पश्चाताप करने के लयि।

आप ऐसा कर सकते हैं, है ना?

5.प्रार्थना दोहराएँ – यीशु! इस सप्ताह,

कृपया मुझे समय नकिालकर पश्चाताप करने में मदद करें उन बातों के लयि जो मैंने आपके सामने गलत की और उन बातों के लयि जो मैंने अपने परविार के साथ गलत की।

मैं हर दनि प्रार्थना करूँगा और पश्चाताप करूँगा। यीशु के नाम में मैं प्रार्थना करता हूँ।

6.आशीष की प्रार्थना

प्रतिक्रिया चर्चा संकेत

a) क्या तुम्हें कभी अपने माता-पिता की बात न मानने के लिए डाँटा गया है?
b) क्या तुमने किसी मित्र को क्षमा किया है या किसी मित्र ने तुम्हें क्षमा किया है?

खेल गतिविधि गाइड

यीशु के पास लौटना
- 2-3 इच्छाएँ लिखें, बाधाओं को पार करें, और उन्हें एक-एक करके यीशु (एक शिक्षक) तक पहुँचाएँ। अंत में चिल्लाएँ, "धन्यवाद, यीशु!"
- सामग्री: गतिविधि 2 से बाधा कोर्स सामग्री।

पाठ की प्रश्नोत्तरी

1. एक अमीर आदमी के दो बेटे थे। उनमें से किस बेटे को मौज-मस्ती करना पसंद था?
(उत्तर: छोटा बेटा)
2. छोटे बेटे ने अपने पिता से अपने हिस्से की कौन-सी चीज़ पहले ही माँग ली?
(उत्तर: संपत्ति / पैसा)
3. छोटे बेटे ने दूर देश में जाकर अपना सारा पैसा खर्च कर दिया। इसके बाद वह खेत में किस जानवर की देखभाल करने लगा?
(उत्तर: सूअरों की)
4. छोटा बेटा इतना भूखा था कि वह सूअरों के खाने वाला कौन-सा फल भी खाना चाहता था?
(उत्तर: कैरब की फलियाँ / सूअरों का खाना)
5. छोटे बेटे ने फिर से गर्म खाना खाने के लिए किसके घर वापस जाने का फैसला किया?
(उत्तर: अपने पिता के घर)
6. जब पिता ने अपने छोटे बेटे को फटे-पुराने कपड़ों में वापस आते देखा, तो वह दौड़कर उसके पास गया और क्या किया?
(उत्तर: उसे गले लगाया, चूमा और रोया)
7. छोटे बेटे ने कहा कि उसने सारा पैसा खर्च कर दिया है। उसने अपने पिता से कहा कि उसे बेटा नहीं, बल्कि क्या बनाकर रख लें?
(उत्तर: नौकर)
8. घर लौटने के बाद छोटा बेटा नौकर नहीं बना। वह फिर से अपने पिता के क्या बनकर रहने लगा?
(उत्तर: बेटा)
9. पिता ने अपने सेवकों से कहा कि वापस जीवित लौटे अपने बेटे को सबसे अच्छा क्या पहनाएँ?
(उत्तर: कपड़ा / सबसे अच्छे कपड़े)
10. पिता ने अपने उस बेटे के लिए, जो खो गया था और फिर मिल गया, उसकी उँगली में क्या पहनाने और उसके पैरों में जूते पहनाने को कहा?
(उत्तर: अंगूठी)

रंग भरने की गतविधियाँ

लूका 15:31
“तू हमेशा मेरे साथ है, और जो कुछ मेरा है वह तेरा है।”



1-9

जक्कई, मेरे पास नीचे आ जाओ।

एक्शन गीत

लूका 19:9
“मनुष्य का पुत्र खोए हुओं को ढूँढ़ने और बचाने आया है।”

उपदेश कहानी पुस्तक

1.स्वागत
2.पछिले सप्ताह हमने जनि वचनों का पालन कयिा उनकी जाँच – पश्चाताप करें
उन बातों के लएि जो हमने यीशु और अपने परविार के साथ गलत कीं।
3.वचन
प्रयि मत्रिो,
आज, हमने जक्कई के बारे में सीखा और कैसे यीशु हृदय को देखता है, बाहरी दखिावे को नहीं। यीशु ने जक्कई की सच्ची इच्छा देखी जब वह उसे देखने के लएि पेड़ पर ऊँचा चढ़ गया। कल्पना करो कि जक्कई यीशु को कतिना देखना चाहता था! डर और गरिने के जोखमि पर काबू पाते हुए, वह पेड़ पर चढ़ा।
भले ही अन्य लोग जक्कई को नापसंद करते थे, उसने यीशु को देखने के लएि पेड़ पर चढ़ने का वकिल्प चुना।
यीशु ने इस ईमानदार हृदय को देखा और प्रसन्न हुआ, यहाँ तक कि जक्कई के घर जाने का चुनाव कयिा।
लोग कतिने चकति हुए होंगे जब उन्होंने यीशु को कसिी ऐसे व्यक्ति के घर जाते देखा जसिे वे नीची नज़र से देखते थे!

हम यीशु को अपने जीवन में कैसे आमंत्रति कर सकते हैं? प्रार्थना करके, स्तुति करके, आराधना करके, और उसके वचन को पढ़कर।
यीशु ने हमें अपने पड़ोसयिों से प्रेम करने और सुसमाचार साझा करने की आज्ञा भी दी। इन चीजों को करना यीशु को हमारे भीतर बहुत खुश करेगा।
मत्रिो, चलो अपने दलि खोलें और यीशु को आमंत्रति करें!

4.इस सप्ताह हम जनि वचनों का पालन करेंगे – हमारे दोस्तों,
इस सप्ताह, जक्कई की तरह, आइए केवल यीशु के बारे में सोचें
और एक सप्ताह अपने दलिों को यीशु से भरते हुए बताएँ।
यीशु हमारी प्रशंसा करेंगे। आप ऐसा कर सकते हैं, है ना?

5.प्रार्थना दोहराएँ – यीशु! जक्कई की तरह,
कृपया मुझे केवल यीशु की ओर देखने और अपने दलि को केवल यीशु से भरने में मदद करें। इसलएि कृपया इस सप्ताह को ऐसा सप्ताह बनाएँ जसिसे यीशु खुश हों। यीशु के नाम में मैं प्रार्थना करता हूँ।
6.आशीष की प्रार्थना

प्रतक्रियिा चर्चा संकेत

a) क्या तुमने ईमानदारी से प्रार्थना की है और उत्तर प्राप्त कयिा है?
b) जक्कई की तरह यीशु से मलिने के लिए तुम क्या प्रयास कर रहे हो?

खेल गतविधि गाइड

अपने वशिेष समय पर यीशु से मलिना
- घड़ियाँ बनाएँ और उन्हें यीशु से जुड़ने के समय का प्रतनिधित्वि करने के लिए सजाएँ।
- सामग्री: कागज के कप, सजावट।

पाठ की प्रश्नोत्तरी



1. जक्कई यरीहो नगर में रहता था, जहाँ से यीशु गुजर रहे थे। जक्कई का काम क्या था?
(उत्तर: चुंगी लेने वालों का प्रधान)
2. जक्कई लोगों के बीच पंजों के बल खड़ा होकर भी यीशु को नहीं देख सका, क्योंकि उसका क्या छोटा था?
(उत्तर: कद)
3. जक्कई चुंगी लेने वालों का प्रधान था और यहूदी लोग उसे पसंद नहीं करते थे। इसलिए लोगों ने उसके साथ क्या कयिा?
(उत्तर: उन्होंने उसे आगे जाने के लिए जगह नहीं दी)
4. यीशु को देखने के लिए जक्कई सड़क के कनिारे लगे कसि पेड़ पर चढ़ गया?
(उत्तर: गूलर के पेड़ पर)
5. यीशु ने पेड़ पर बैठे जक्कई को देखा और कहा, "जल्दी नीचे उतर आओ।" यीशु ने कहा कि आज वह कसिके घर में ठहरेंगे?
(उत्तर: तुम्हारे घर / जक्कई के घर)
6. जक्कई बहुत खुश हुआ और उसने कहा कि वह अपनी आधी संपत्ति किसे देगा?
(उत्तर: गरीबों को)
7. लोग जक्कई के बारे में आपस में बातें करते हुए कहने लगे कि उसके जैसे कसि व्यक्ति को यीशु से मलिने का अधकिार नहीं है?
(उत्तर: पापी)
8. यीशु ने कहा कि जक्कई के घर में उद्धार आया है और जक्कई भी कसिका वंशज है?
(उत्तर: अब्राहम का वंशज)
9. जब जक्कई ने सुना कि यीशु उसके घर आने वाले हैं, तो उसे कैसा लगा?
(उत्तर: वह बहुत खुश हुआ / वह इतना खुश था कि अपनी खुशी छपिा नहीं सका)
10. यीशु ने कहा कि वह कसि तरह के लोगों को ढूँढ़ने और उनका उद्धार करने आए हैं?
(उत्तर: खोए हुओं को)

रंग भरने की गतविधियाँ

लूका 19:9
“मनुष्य का पुत्र खोए हुओं को ढूँढ़ने और बचाने आया है।”



1-10

बच्चों को मेरे पास आने दो।

एक्शन गीत

मरकुस 10:15
“जो कोई परमेश्वर के राज्य को छोटे बच्चे की तरह ग्रहण नहीं करेगा वह उसमें कभी प्रवेश नहीं करेगा।”

उपदेश कहानी पुस्तक

1.स्वागत
2.पछिले सप्ताह हमने जनि वचनों का पालन कयिा उनकी जाँच – क्या आपने पूरा सप्ताह अपने दलि को केवल यीशु से भरकर बतिाया?
3.उपदेश
प्रयि मत्रिो,
यीशु ने कहा, “स्वर्ग का राज्य उन लोगों का है जो छोटे बच्चों के समान है।”
क्या यह एक बहुत ही खुशहाल और आनंददायक वचिार नहीं है?
यीशु ने बच्चों को देखा और उनके शुद्ध, दयालु, और सुंदर हृदय देखे।
जब शष्यिों ने बच्चों को दूर भेजने की कोशशि की, तो यीशु नाराज़ हो गया।
“बच्चों को मेरे पास आने से मत रोको,” उसने कहा।
यीशु ने बच्चों को गले लगाया और उन्हें आशीर्वाद दयिा।
उसने कहा कि बच्चों को देखना स्वर्ग में होने जैसा लगता है।
बच्चे यीशु के साथ रहने के अलावा कुछ नहीं चाहते, वयस्कों के वपिरीत जो अक्सर दुनयिा से अधकि प्रेम करते हैं।
इसीलएि यीशु बच्चों के हृदयों को संजोता है जो उससे सच्चे दलि से प्रेम करते हैं।
मत्रिो, चलो सुंदर हृदय रखें और यीशु की शक्षिाओं का पालन करते हुए परमेश्वर के बच्चों के रूप में जएिँ।
स्वर्ग शुद्ध हृदय और मजबूत वश्विास वाले लोगों के लएि एक जगह है, बलि्कुल तुम्हारे जैसे।
चलो अपने पूरे दलि से यीशु से प्रेम करें।

4.इस सप्ताह हम जनि वचनों का पालन करेंगे – यीशु बच्चों से
बहुत प्यार करते थे। और उन्होंने कहा कि जो लोग बच्चों जैसे हैं, वे स्वर्ग जा सकते हैं।
इस सप्ताह, आइए केवल यीशु से प्यार करते हुए और यीशु का प्यार पाते हुए सप्ताह बतिाएँ। सुबह और शाम, यीशु से कहें कि आप उनसे प्यार करते हैं। आप ऐसा कर सकते हैं, है ना?
5.प्रार्थना दोहराएँ – यीशु! इस सप्ताह, मै
केवल यीशु से प्यार करना और यीशु का प्यार पाना चाहता हूँ।
कृपया सुबह और शाम यीशु से यह कहने में मेरी मदद करें कि मैं उनसे प्यार करता हूँ। यीशु के नाम में मैं प्रार्थना करता हूँ।
6.आशीष की प्रार्थना

प्रतक्रियिा चर्चा संकेत

a) वह कौन सा मत्रि है जसिे तुम यीशु के पास लाना चाहते हो? तुम उनके साथ सुसमाचार कैसे साझा करोगे?

b) तुम्हें क्या लगता है कि यीशु को सबसे ज्यादा क्या खुश करता है?

खेल गतविधि गाइड

स्वर्ग का अनुभव करना

- एक साथ "स्वर्ग का द्वार" बनाएँ। उसमें से चलें और आशीर्वाद और बधाई के साथ एक-दूसरे का स्वागत करें।
- सामग्री: कार्डबोर्ड, द्वार के लिए सजावट सामग्री।

पाठ की प्रश्नोत्तरी

1. जब यीशु लोगों को परमेश्वर का वचन सुना रहे थे, तब लोग आशीष पाने के लिए किसे यीशु के पास लाए?
   (उत्तर: छोटे बच्चों को)
2. जब बच्चे यीशु को देखने के लिए आगे आए, तो किसने बच्चों को डाँटा और वहाँ से हटाने की कोशिश की?
   (उत्तर: चेलों ने)
3. जब यीशु ने देखा कि चेले बच्चों को वहाँ से हटा रहे हैं, तो उन्होंने क्या किया?
   (उत्तर: वे नाराज़ हुए और कहा कि बच्चों को मत रोको)
4. यीशु ने चेलों से कहा कि बच्चों को उनके पास आने देने के लिए क्या खाली कर दें?
   (उत्तर: रास्ता)
5. यीशु ने बच्चों को अपनी बाँहों में लिया और उनके सिर पर क्या किया?
   (उत्तर: उन पर हाथ रखकर उन्हें आशीष दी)
6. बच्चे बड़े लोगों के बीच से तेजी से निकलकर किसके पास दौड़े?
   (उत्तर: यीशु के पास)
7. बच्चे यीशु के सामने उनके चेहरे को देखते हुए बैठे। उन्हें कैसा लगा?
   (उत्तर: वे बहुत खुश थे)
8. यीशु की बात सुनते ही किसके कदम अचानक रुक गए?
   (उत्तर: बच्चों के)
9. यीशु ने कहा कि स्वर्ग का राज्य किस तरह के मन वाले लोगों का है?
   (उत्तर: छोटे बच्चों जैसे मन वाले लोगों का)
10. यीशु ने साफ़ तौर पर कहा कि स्वर्ग के राज्य में जाने के लिए हमें किसके जैसा होना चाहिए?
    (उत्तर: छोटे बच्चों जैसा)

रंग भरने की गतविधियाँ

मरकुस 10:15
“जो कोई परमेश्वर के राज्य को छोटे बच्चे की तरह ग्रहण नहीं करेगा वह
उसमें कभी प्रवेश नहीं करेगा।”



1-11

मरा हुआ लाज़र जीवति हो गया।

एक्शन गीत

यूहन्ना 11:25
“जो मुझ पर वश्विास करता है वह मरेगा तो भी जीवति रहेगा; और जो कोई जीवति है और मुझ पर वश्विास करता है वह कभी नहीं मरेगा।”

उपदेश कहानी पुस्तक

1.स्वागत
2.पछिले सप्ताह हमने जनि वचनों का पालन कयि उनकी जाँच – क्या आपने यीशु से एक सप्ताह तक हर दनि कहा कि आप उनसे प्यार करते हैं?
3.वचन
प्रयि मत्रिो,
आज, हमने सीखा कि यीशु ने लाज़र को फरि से जीवति कयि।
क्या तुम यीशु की आवाज़ सुन सकते हो जो पुकार रही है, “लाज़र, बाहर आओ”?
यीशु लाज़र से गहराई से प्रेम करता था, साथ ही उसके परविार से भी। यीशु प्रेम से भरा है।
जब हम यीशु से प्रार्थना करते हैं, तो वह उसी प्रेम के साथ हमारे पास आता है और हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर देता है। यीशु ने बीमारों को चंगा कयि और लाज़र को फरि से जीवति कयि।
वह हमसे इतना प्रेम करता है कि वह हमारी सभी प्रार्थनाएँ सुनता है।
इसीलिए हमें प्रार्थना के माध्यम से यीशु से मलिना चाहिए।
यीशु अभी भी हमारे उसके पास आने की प्रतीक्षा कर रहा है। मत्रिो, यीशु तुमसे मलिना चाहता है।
मरयिम की तरह, चलो यीशु के पास चलें। जब हम प्रार्थना करते हैं, तो यीशु खुशी से सुनता है।
चलो हर दनि प्रार्थना करें और यीशु से मलिें!

4.इस सप्ताह हम जनि वचनों का पालन करेंगे – आइए अपनी इच्छाओं के लिए प्रभु के सामने मन लगाकर प्रार्थना करें। यीशु हमारी प्रार्थनाएँ सुनते हैं। यदि मेरे परविार में कोई बीमार है, तो और भी मन लगाकर प्रार्थना करें। यीशु हमारी मदद करेंगे। इसलिए आइए हर दनि मन लगाकर यीशु से चंगाई के लिए प्रार्थना करें। वह प्रभु जन्हिोंने एक मरे हुए व्यक्ति को भी फरि से जीवति कयि, सब कुछ ठीक करेंगे। इस सप्ताह, हमारे दोस्तों, आइए मन लगाकर प्रार्थना करें। आप ऐसा कर सकते हैं, है ना?

5.प्रार्थना दोहराएँ – यीशु, इस सप्ताह
मैं अपने आसपास के बीमार लोगों के लिए मन लगाकर प्रार्थना करूँगा।
कृपया उन्हें चंगा करें और इससे परमेश्वर की महमिा हो। यीशु के नाम में
मैं प्रार्थना करता हूँ।
6.आशीष की प्रार्थना

प्रतक्रियिा चर्चा संकेत

a) क्या तुमने कभी बीमार परविार के सदस्य या मत्रि के लिए तीव्रता से प्रार्थना की है?
b) तुम यीशु से कौन सी प्रार्थना का उत्तर सबसे ज्यादा चाहोगे?

खेल गतविधि गाइड

फरि से जीवति होना

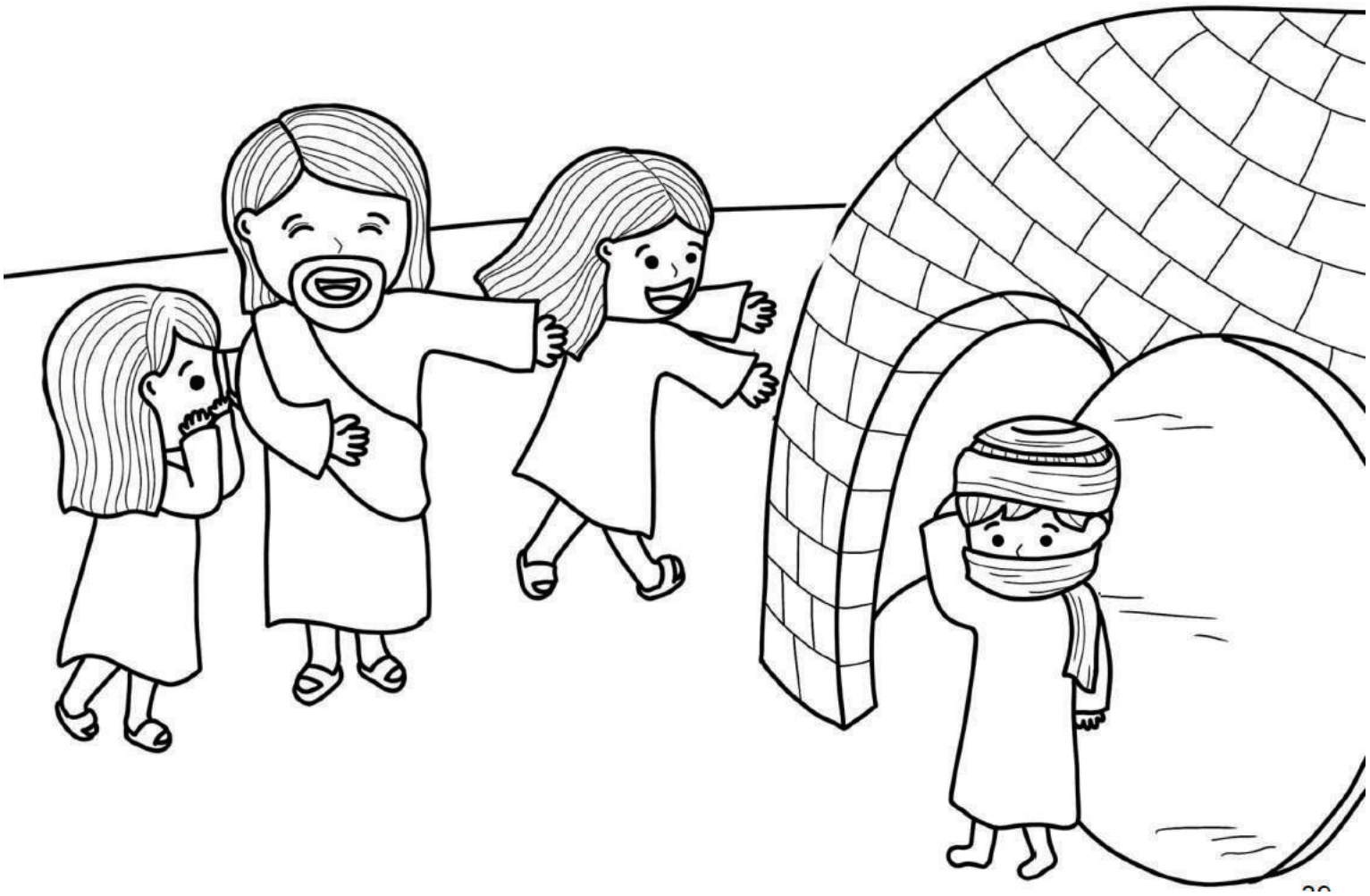
- एक मनिट के लिए एक बॉक्स में बैठें, यीशु को पुकारते हुए सुनें, "_! बाहर आओ!" फरि बाहर नकिलें और अनुभव साझा करें।
- सामग्री: बड़ा बॉक्स, आँखों पर पट्टी।

पाठ की प्रश्नोत्तरी

1. बैतनयि्याह में लाज़र बीमार था और मरने वाला था। उसकी दो बहनें थीं। एक का नाम मरयिम था। दूसरी बहन का नाम क्या था?
(उत्तर: मार्था)
2. जब यीशु बैतनयि्याह पहुँचे, तब लाज़र को कब्र में रखे हुए कतिने दनि हो चुके थे?
(उत्तर: 4 दनि)
3. मार्था और मरयिम रोते हुए यीशु से कहने लगीं कि अगर यीशु वहाँ होते, तो उनके भाई के साथ क्या नहीं होता?
(उत्तर: वह नहीं मरता)
4. यीशु ने मार्था से कहा, "पुनरुत्थान और क्या मैं ही हूँ?"
(उत्तर: जीवन)
5. लाज़र की कब्र एक गुफा थी। उसके दरवाज़े को कसि चीज़ से बंद कयिा गया था?
(उत्तर: पत्थर से)
6. जब यीशु ने ऊँची आवाज़ में कहा, "लाज़र, बाहर आ जा!" तो कब्र से कौन चलकर बाहर आया?
(उत्तर: मरा हुआ लाज़र)
7. यीशु ने लोगों से कहा कि लाज़र के शरीर पर लपिटे कपड़े और उसके चेहरे पर बँधा कपड़ा क्या करें?
(उत्तर: सब खोल दो और उसे जाने दो)
8. जब लोगों ने लाज़र को फरि से जीवति देखा, तो उन्होंने क्या कयिा?
(उत्तर: उन्होंने यीशु पर वशि्वास कयिा)
9. जब यीशु ने लाज़र की बीमारी के बारे में सुना, तो उन्होंने कहा कि यह बीमारी मृत्यु के लिए नहीं, बल्कि किसिकी महमिा के लिए है?
(उत्तर: परमेश्वर की)
10. जब यीशु ने कब्र के दरवाज़े से पत्थर हटाने को कहा, तो मार्था ने कहा कि उसके भाई को मरे हुए चार दनि हो गए हैं, इसलिए अब क्या आने लगी होगी?
(उत्तर: बदबू)

रंग भरने की गतविधियाँ

यूहन्ना 11:25
“जो मुझ पर वशि्वास करता है वह मरेगा तो भी जीवति रहेगा; और जो कोई जीवति है और मुझ पर वशि्वास करता है वह कभी नहीं मरेगा।”



1-12

छोटी बच्ची, उठो!

एक्शन गीत

मरकुस 5:41
“छोटी लड़की, मै तुझसे कहता हूँ, उठ!”

उपदेश कहानी पुस्तक

1.स्वागत अभविादन
2.पछिले सप्ताह हमने जनि वचनों का पालन कयिा उनकी जाँच – आइए मन लगाकर प्रार्थना करें
जैसे लाज़र के लएि की गई थी।
3.उपदेश
प्रयि मत्रिो,
आज हमने सीखा कि यीशु ने कहा कि एक मरी हुई लड़की केवल “सो रही” थी।
जब उसने कहा, “छोटी लड़की, उठ!” तो वह फरि से जीवति हो गई और सभी के सामने खाना भी खाया। लोग चकति थे! कई लोगों ने यीशु में वशि्वास करना शुरू कर दयिा।
यीशु आराधनालय के नेता की बेटी से इतना प्रेम करता था कि जब उसने सुना कि वह मर गई थी। परमेश्वर हमसे उतना ही प्रेम करता है।
उसने अपने पुत्र, यीशु को, हमारे स्थान पर भेजा और हमारे पापों के लएि मरने के लएि ताकि हम जी सकें। यीशु के कारण, अब हम परमेश्वर के खुश बच्चे के रूप में जी सकते है और स्वर्ग की आशा कर सकते है।
चलो भी प्रार्थना करें और अपने परविारों और दोस्तों के साथ यीशु के इस प्रेम को साझा करें ताकि वे भी उसका प्रेम अनुभव कर सकें।
मत्रिो, चलो हम सब मलिकर प्रार्थना करें ताकि हम स्वर्ग में मलि सकें!

4.इस सप्ताह हम जनि वचनों का पालन करेंगे – तलीथा कूम। छोटी लड़की, उठो।
हमारे दोस्तों, इस सप्ताह, आइए वही करें जो यीशु ने कहा। तलीथा कूम, छोटी लड़की, उठो।
हमारे दोस्तों, हर दनि परमेश्वर की आज्ञा मानें और हर दनि यीशु के प्यार को महसूस करें।
इस सप्ताह, आप और भी खुश रहेंगे।

5.प्रार्थना दोहराएँ –
यीशु, इस सप्ताह, तलीथा कूम, मै हर दनि अनुभव करूँगा
उस प्रभु के प्यार को जो मुझे उठाते है, प्रभु के प्यार को महसूस करूँगा,
और धन्यवाद के साथ जीऊँगा। यीशु, आपके प्यार के लएि धन्यवाद। यीशु के नाम में
मै प्रार्थना करता हूँ। – आमीन –

6.आशीष की प्रार्थना

प्रतक्रियिा चर्चा संकेत

a) तुम कौन से पाप चाहते हो कि यीशु क्षमा करे?
b) यदि तुम स्वर्ग में यीशु से मिलो, तो तुम कौन सी स्तुति सुनना चाहोगे?

खेल गतविधि गाइड

सुसमाचार हार
- दलों को हार में मोड़ें और उन पर उन लोगों के नाम लिखें जिन्हें आप सुसमाचार सुनाना चाहते हैं। उन्हें उपहार के रूप में दें।
- सामग्री: रबिन, कागज के हुक, कैंडी या अन्य जोड़ने वाली सामग्री।

पाठ की प्रश्नोत्तरी

1. एक छोटी लड़की बहुत बीमार थी और मरने वाली थी। उसका पिता, जो आराधनालय का अधिकारी था, यीशु के पैरों पर गिर पड़ा। उस पिता का नाम क्या था?
(उत्तर: याईर)
2. आराधनालय के अधिकारी याईर की बेटी कितने साल की थी?
(उत्तर: बारह साल / 12 साल)
3. जब यीशु याईर के घर गए, तो वे अपने साथ पतरस, याकूब और केवल किसे ले गए?
(उत्तर: यूहन्ना)
4. जब यीशु घर पहुँचे, तब वहाँ के लोग क्या कर रहे थे?
(उत्तर: वे रो रहे थे और बहुत विलाप कर रहे थे)
5. यीशु ने रो रहे लोगों से कहा कि लड़की मरी नहीं है, बल्कि क्या कर रही है?
(उत्तर: सो रही है)
6. यीशु ने कौन-से शब्द कहे जिनका अर्थ है, "लड़की, मैं तुझसे कहता हूँ, उठ जा"?
(उत्तर: तलीता कूम)
7. यीशु की बात सुनते ही मरी हुई लड़की के साथ क्या हुआ?
(उत्तर: वह उठ गई और चलने-फिरने लगी)
8. लड़की ऐसे जीवित हो गई जैसे नींद से जागी हो। यीशु ने लोगों से उसे क्या देने को कहा?
(उत्तर: खाने के लिए कुछ)
9. जब याईर के घर से लोगों ने आकर कहा कि उसकी बेटी मर गई है, तब यीशु ने याईर से कहा, "डरो मत, केवल क्या करो?"
(उत्तर: विश्वास करो)
10. जब लोगों ने यीशु को यह कहते सुना कि लड़की मरी नहीं बल्कि सो रही है, तो उन्होंने क्या किया?
(उत्तर: वे यीशु पर हँसे)

रंग भरने की गतविधियाँ

मरकुस 5:41
“छोटी लड़की, मैं तुझसे कहता हूँ, उठ!”



गतविधि याद रखें, सभी अध्यायों का सारांश

1-1 मुझे स्वर्ग जाने देने के लिए धन्यवाद।

1-2 आइए किसी के बुद्धिमान व्यक्ति बनें।

1-3 आइए हर दिन प्रार्थना करें। सुबह, दोपहर और शाम।

1-4 आइए जोर से कहें, "शैतान, दूर चले जाओ!" और झूठ न बोलें या बुरे काम न करें।

1-5 यीशु, कृपया मुझे चुनें।

1-6 आइए प्रार्थना करें और मुझे पाप से बचाने के लिए यीशु को धन्यवाद दें।

1-7 आइए विश्वास के साथ प्रार्थना करें!

1-8 आइए उन बातों के लिए पश्चाताप करें जो हमने यीशु और अपने माता-पिता के साथ गलत की।

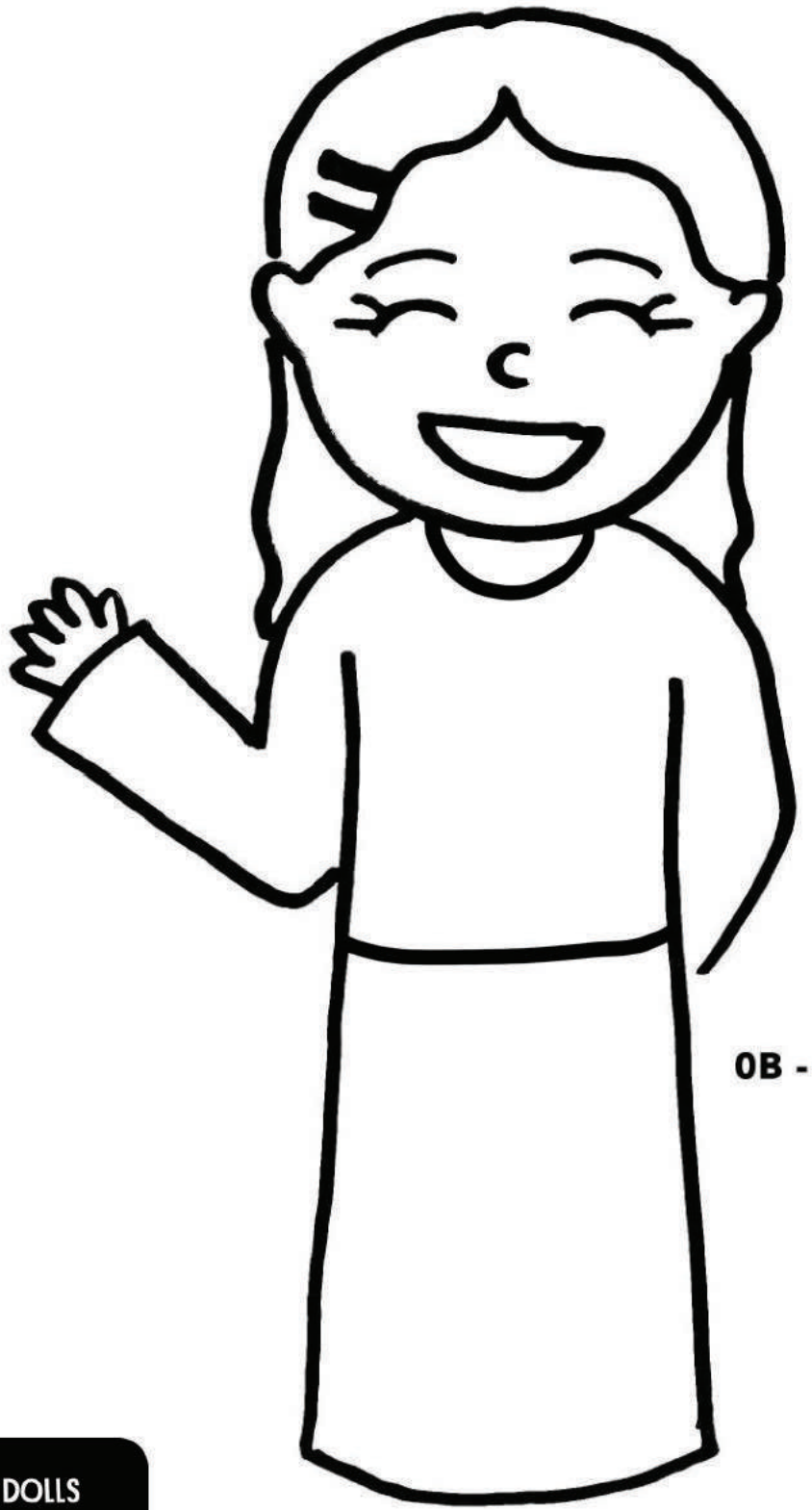
1-9 आइए केवल यीशु की ओर देखें। आइए अपने दिलों को केवल यीशु से भरें।

1-10 आइए हर दिन सुबह 10 बार और शाम को 10 बार कहें, "यीशु, मैं आपसे प्यार करता हूँ।"

1-11 आइए हर दिन बीमार लोगों के लिए मन लगाकर प्रार्थना करें।

1-12 यीशु का हाथ पकड़ें।

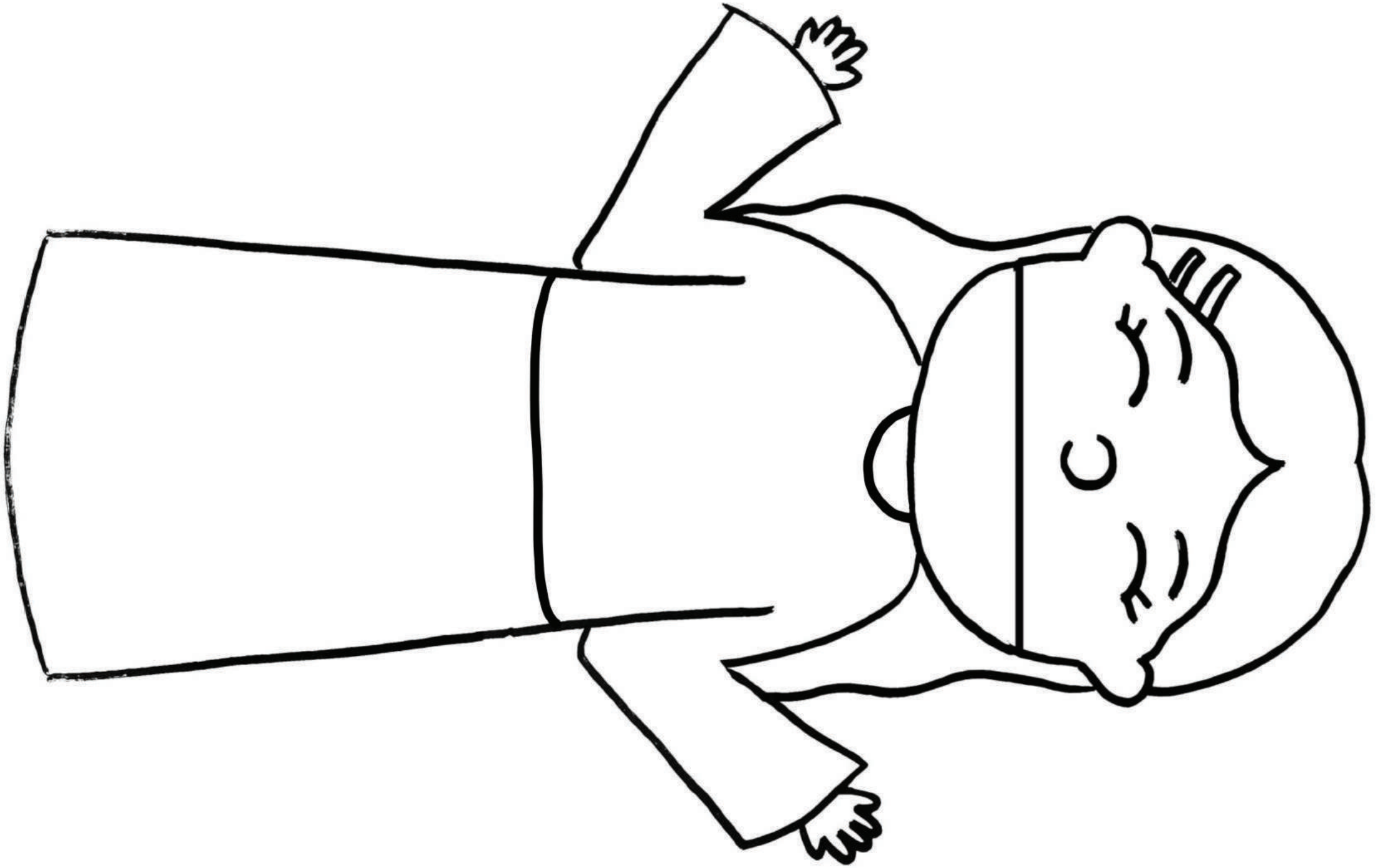
बाइबल की कहानी के लिए
कागज़ की कठपुतलियाँ



0B - TEACHER



0C- TEACHER



0A - TEACHER

1C-MARIA

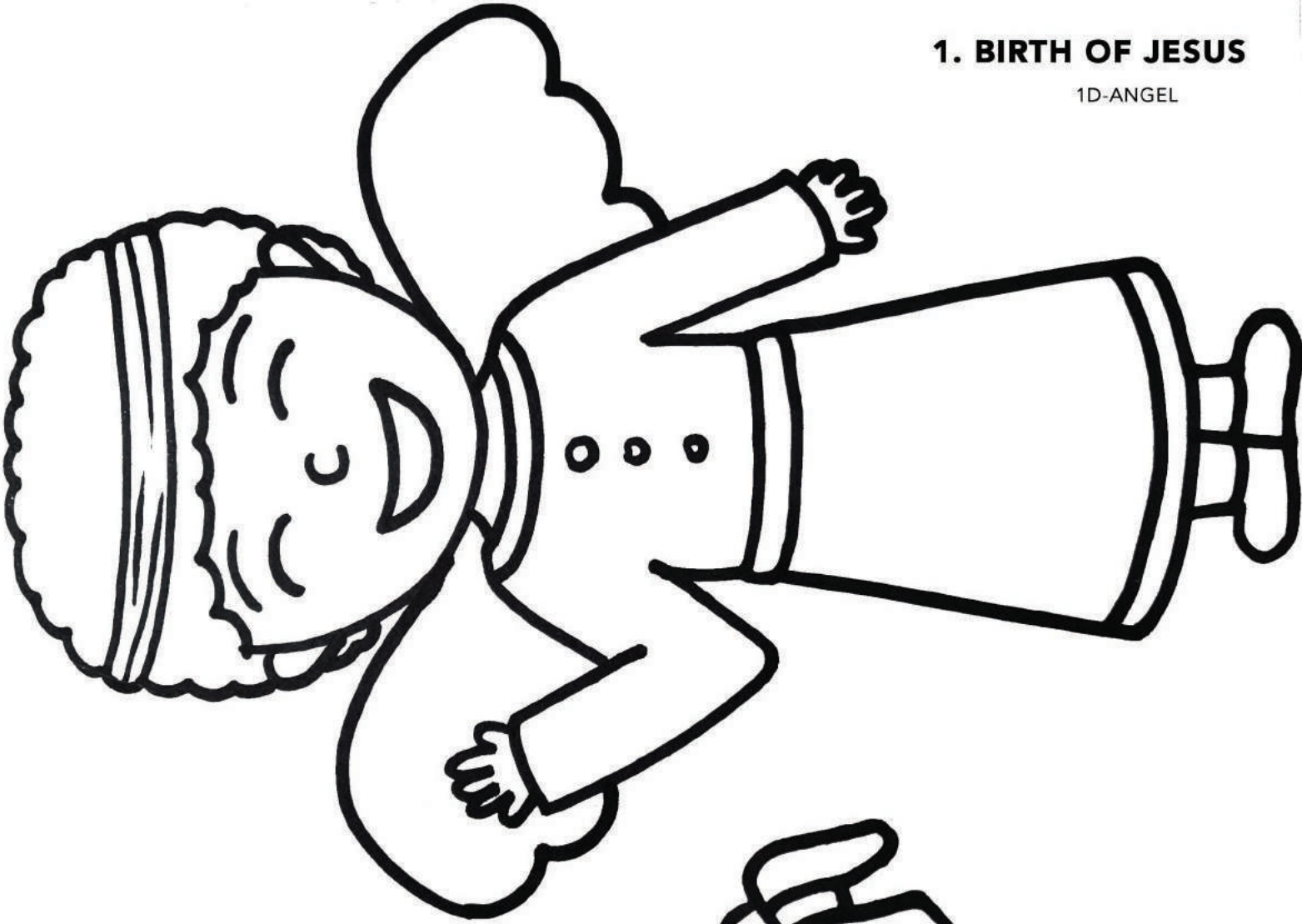
1B-JOSHEP

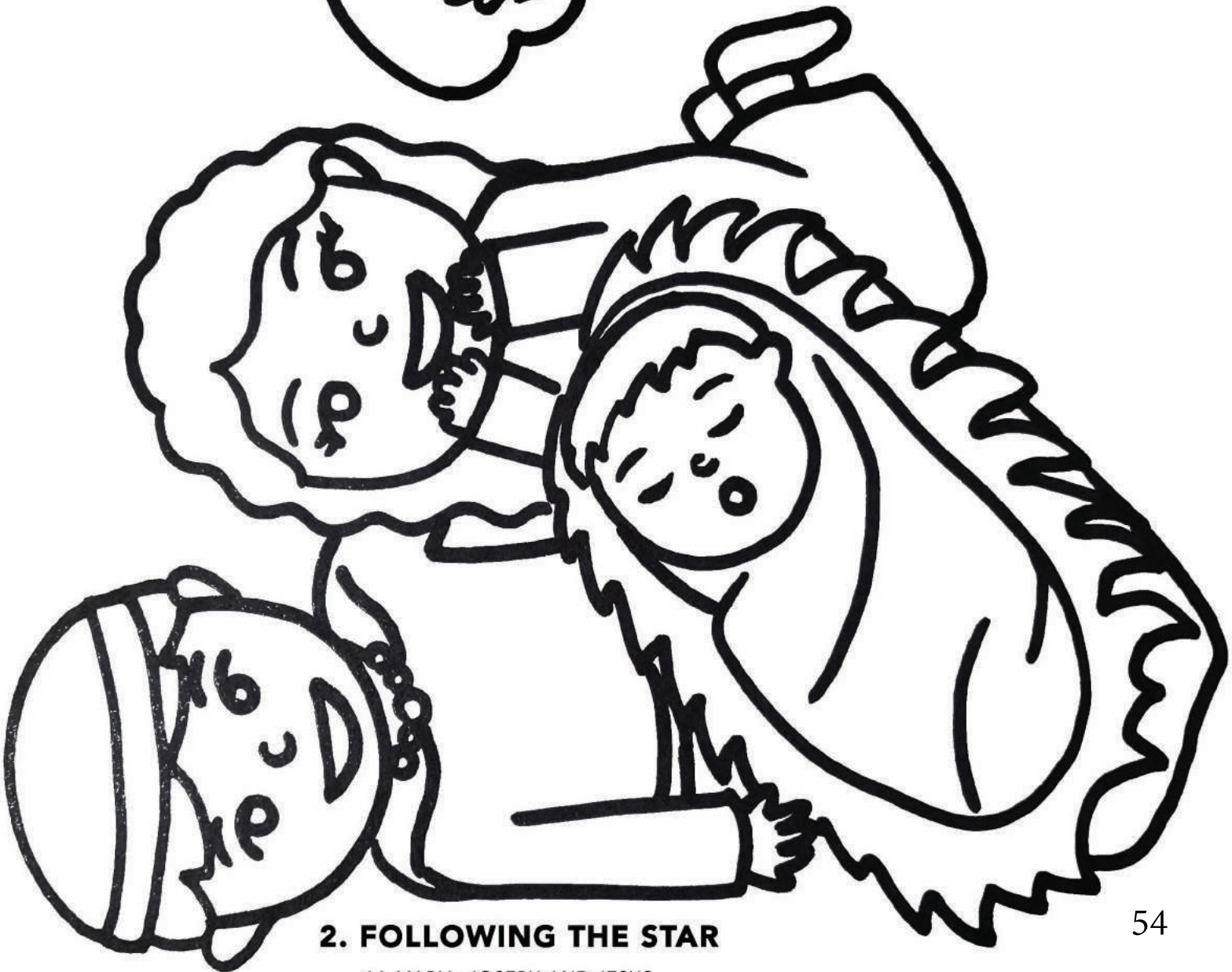
1A-BABY JESUS

1. BIRTH OF JESUS

1. BIRTH OF JESUS

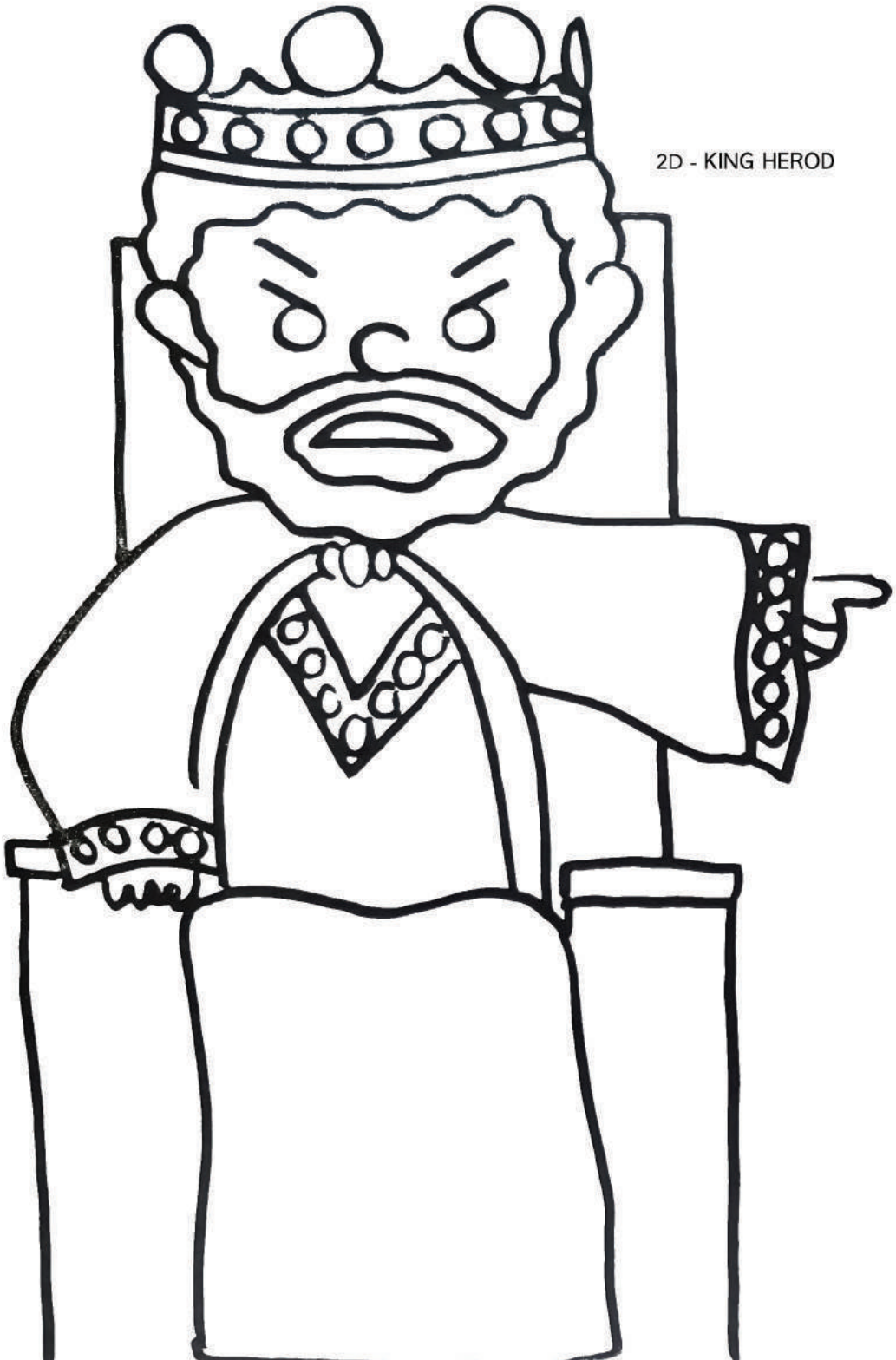
1D-ANGEL





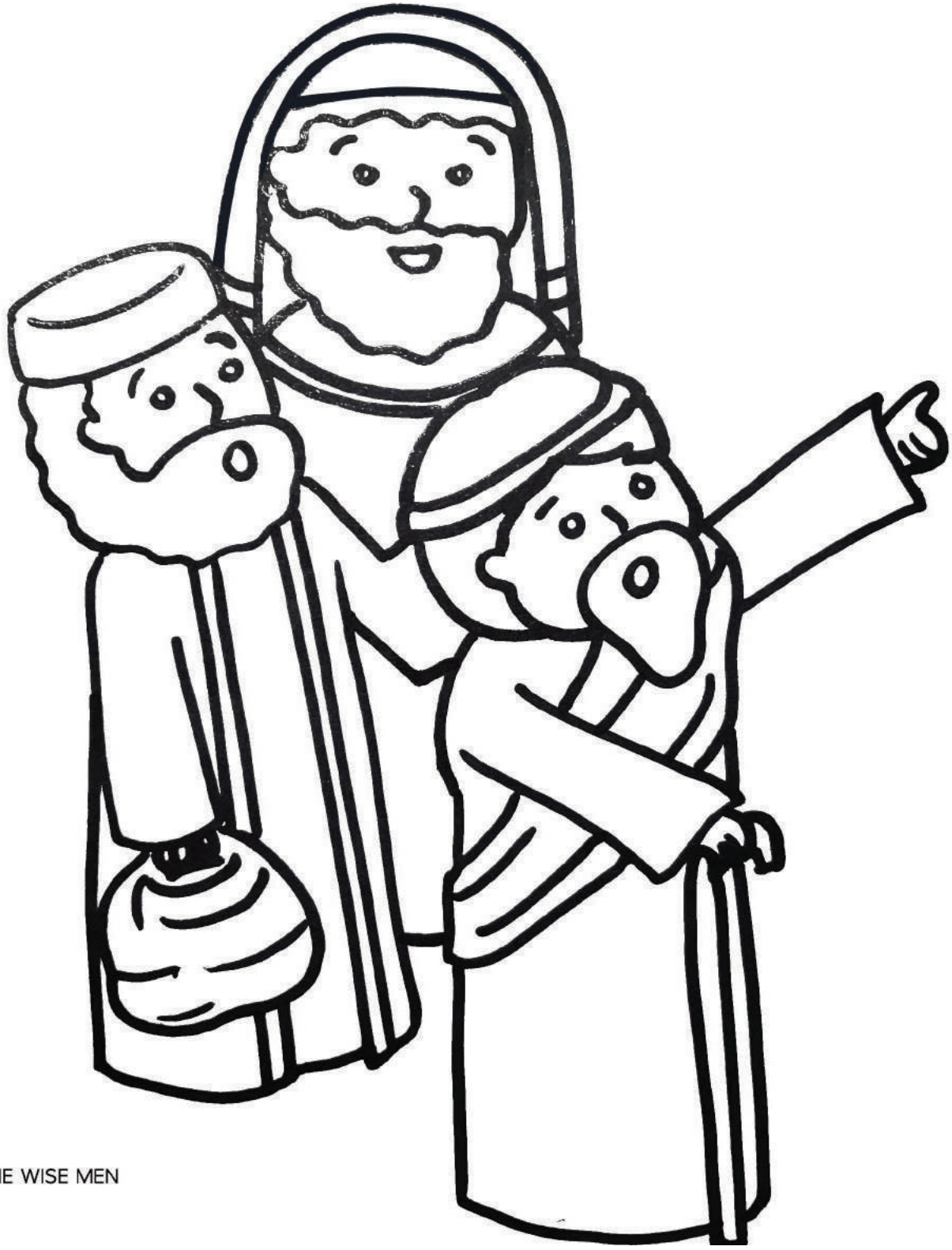
2. FOLLOWING THE STAR

1A-MARIA. JOSEPH AND JESUS

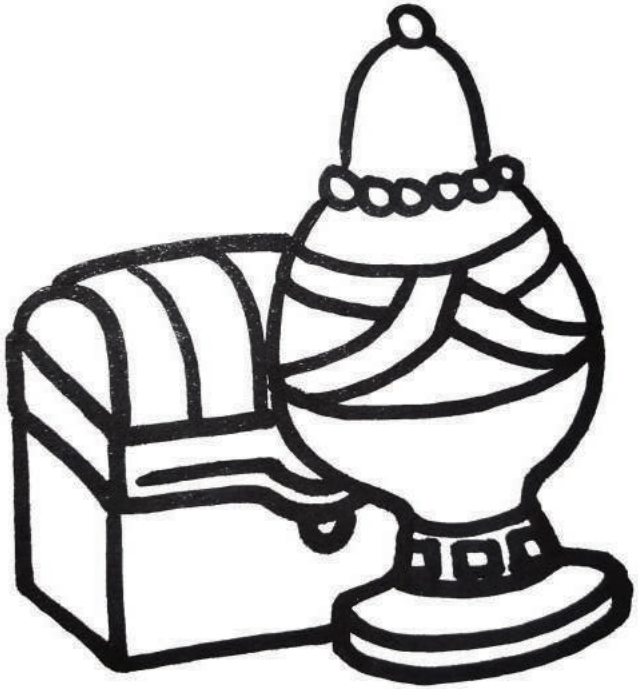


2D - KING HEROD

2. FOLLOWING THE STAR

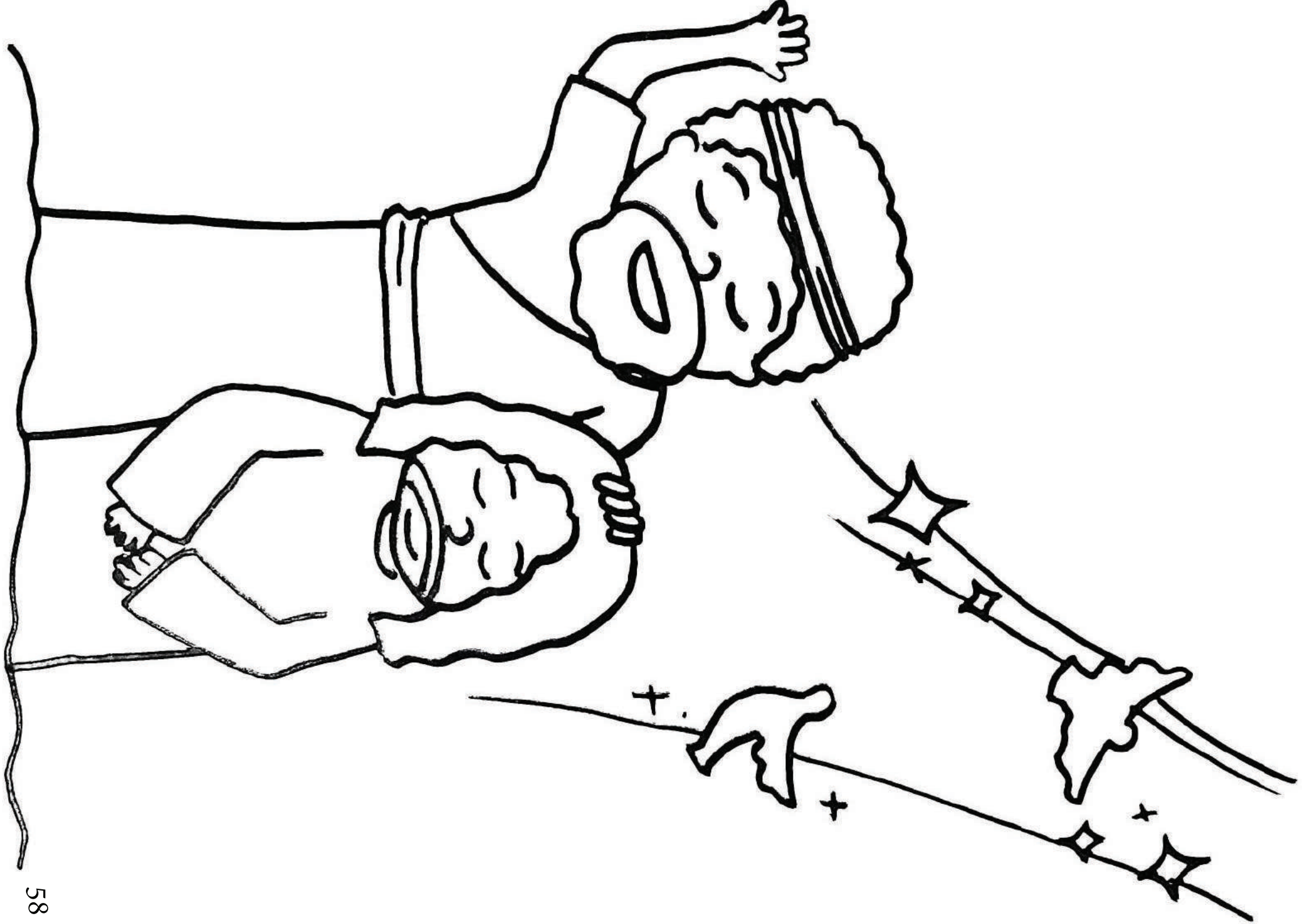


2B - THE WISE MEN

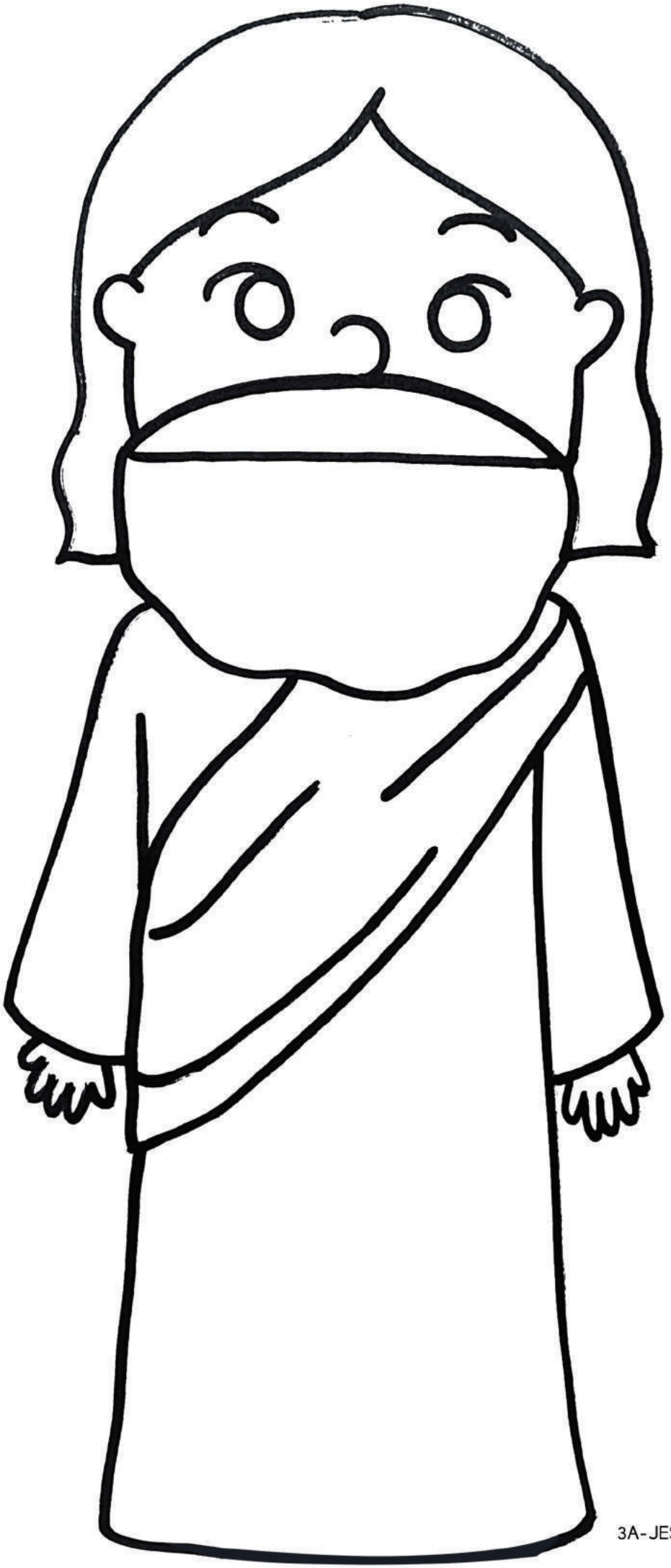


2C - THE GIFTS

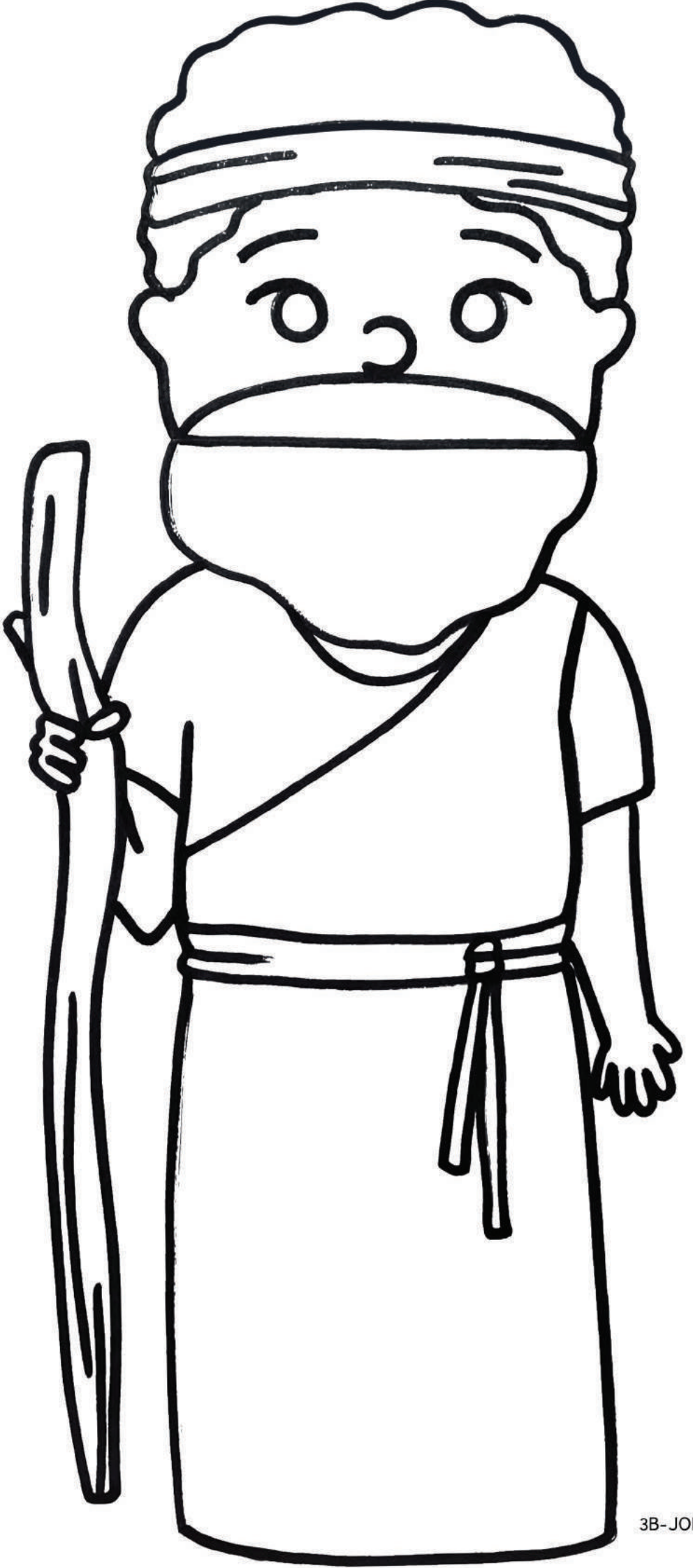
2. FOLLOWING THE STAR



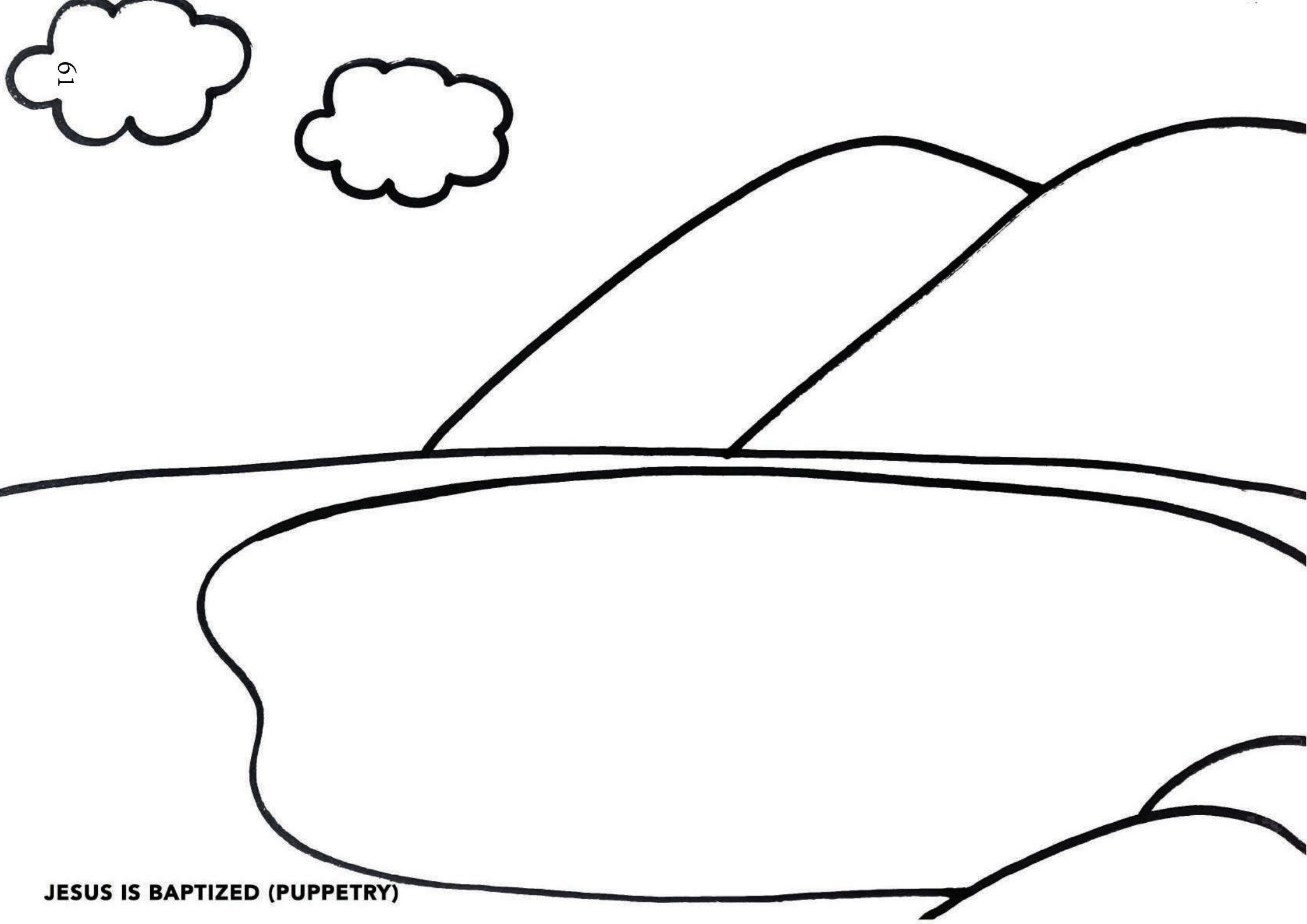
JESUS IS BAPTIZED (PUPPETRY)



3A-JESUS



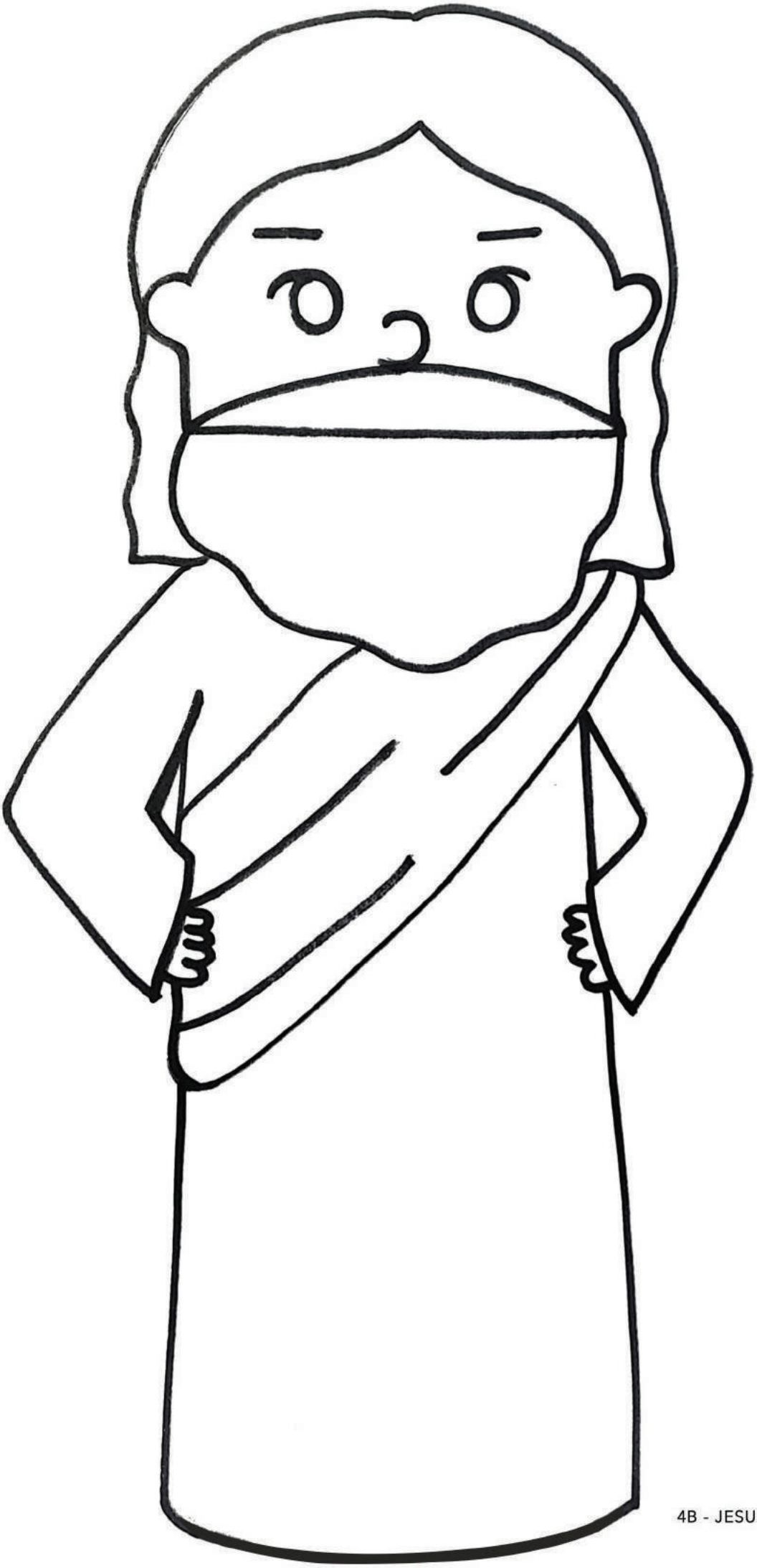
3B-JOHN



JESUS IS BAPTIZED (PUPPETRY)

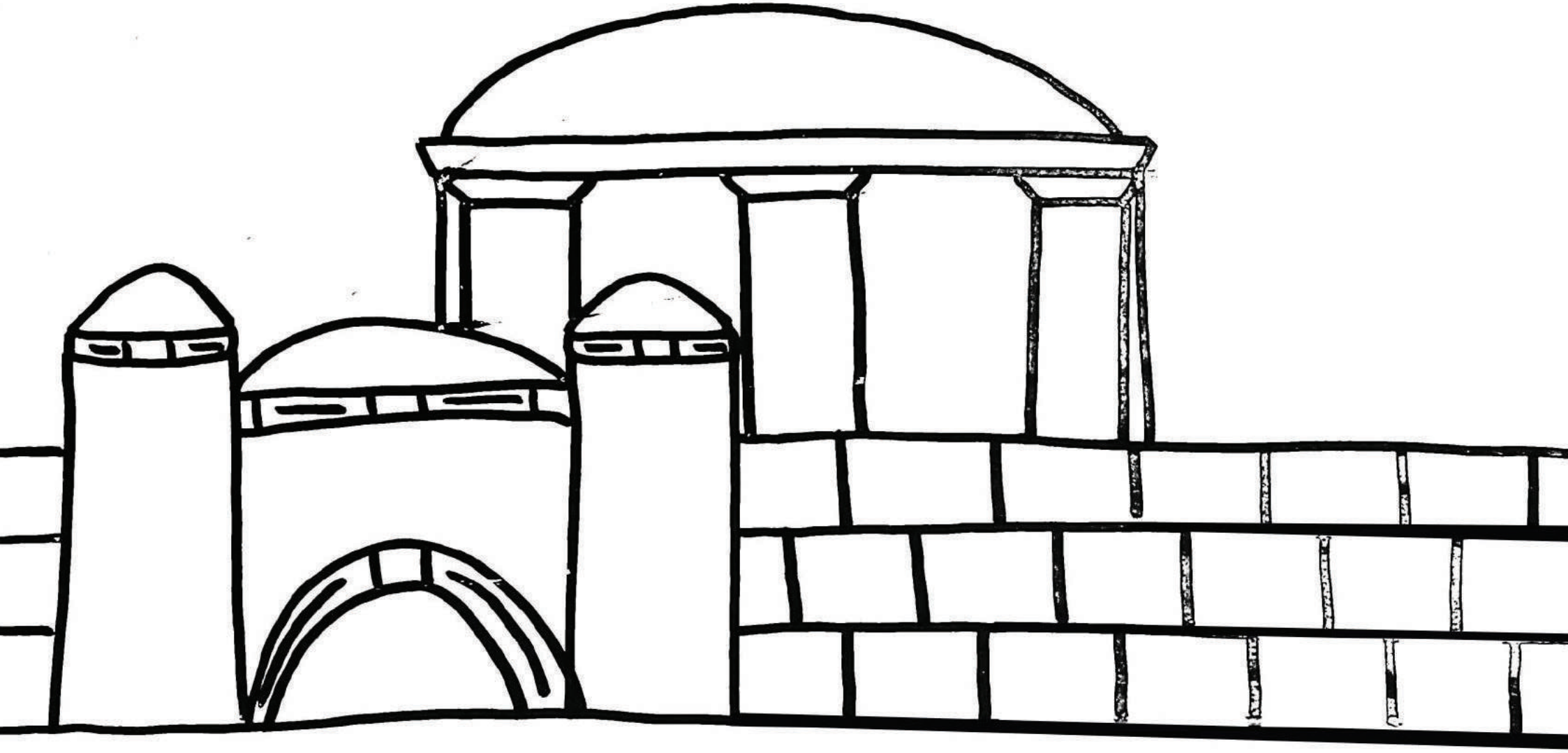


4A - JESUS SMILING

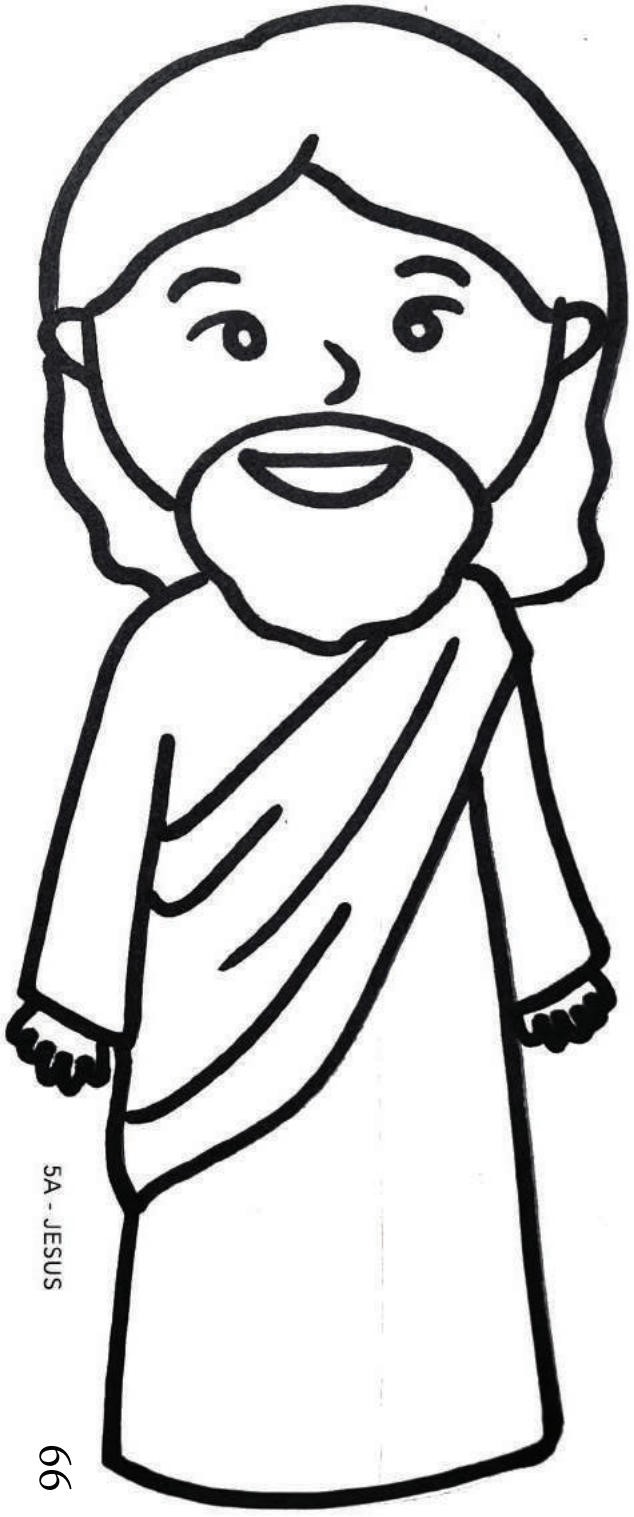


4B - JESUS MAD

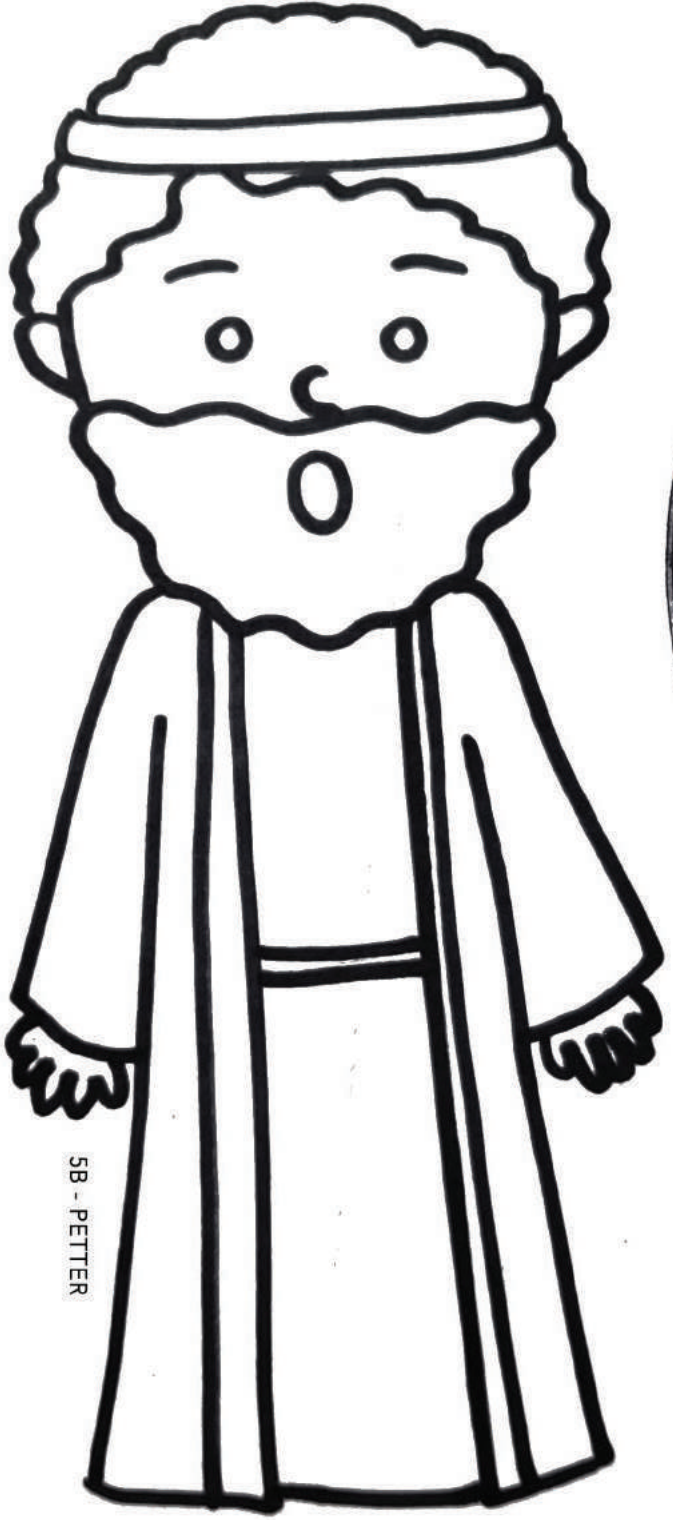




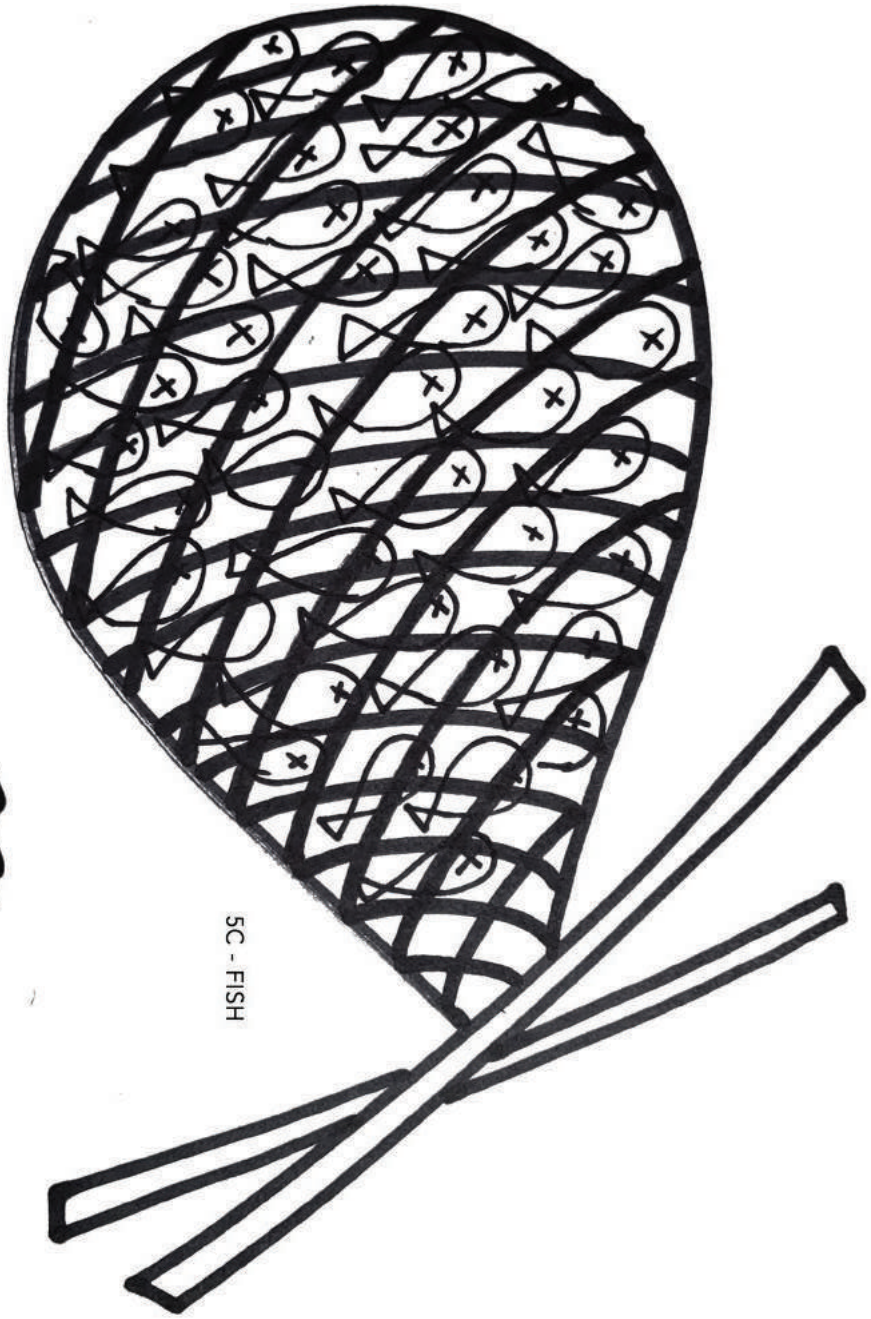
JESUS HAS BEEN TEMPTED (BACKGROUND)



5A - JESUS



5B - PETTER



5C - FISH

PETTER, A FISHERMAN FOR THE PEOPLE



6A -LACK OF WINE



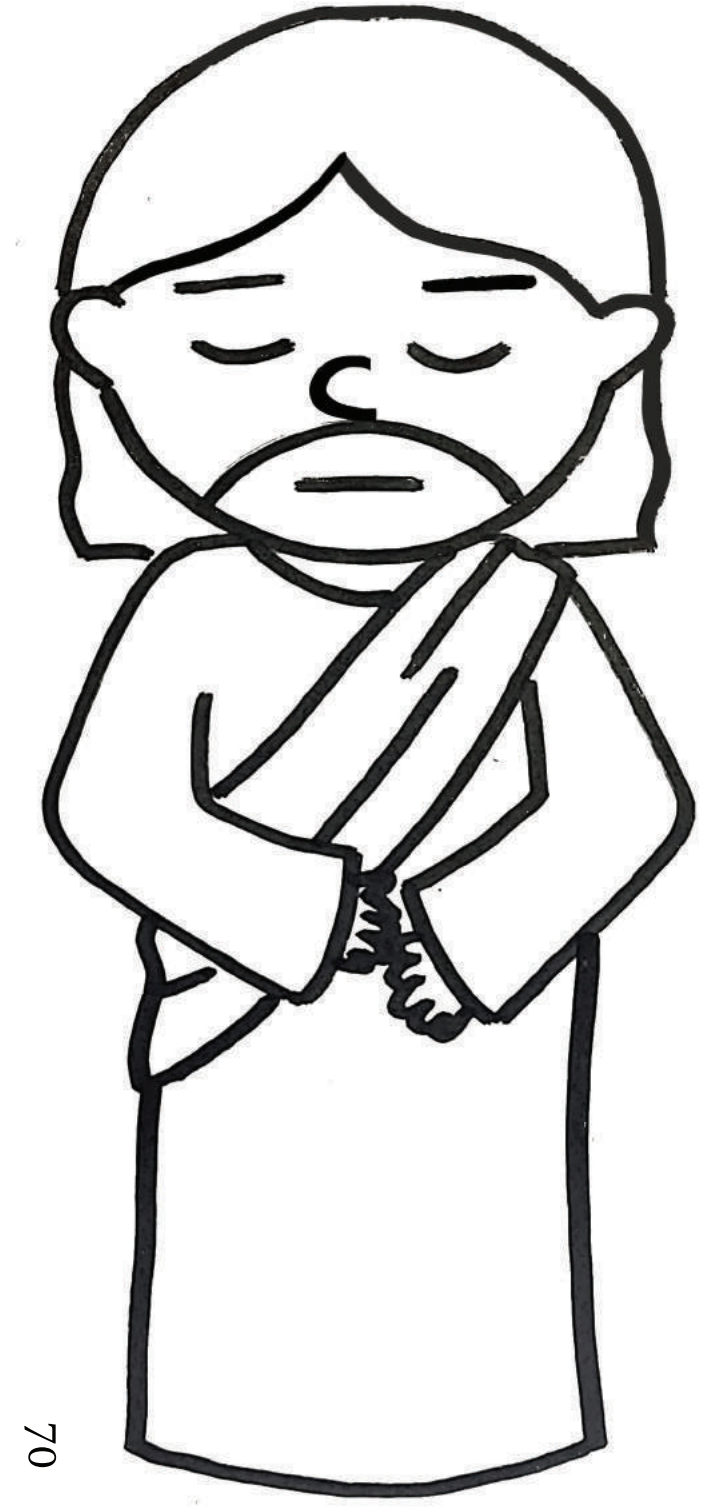
6B - JESUS

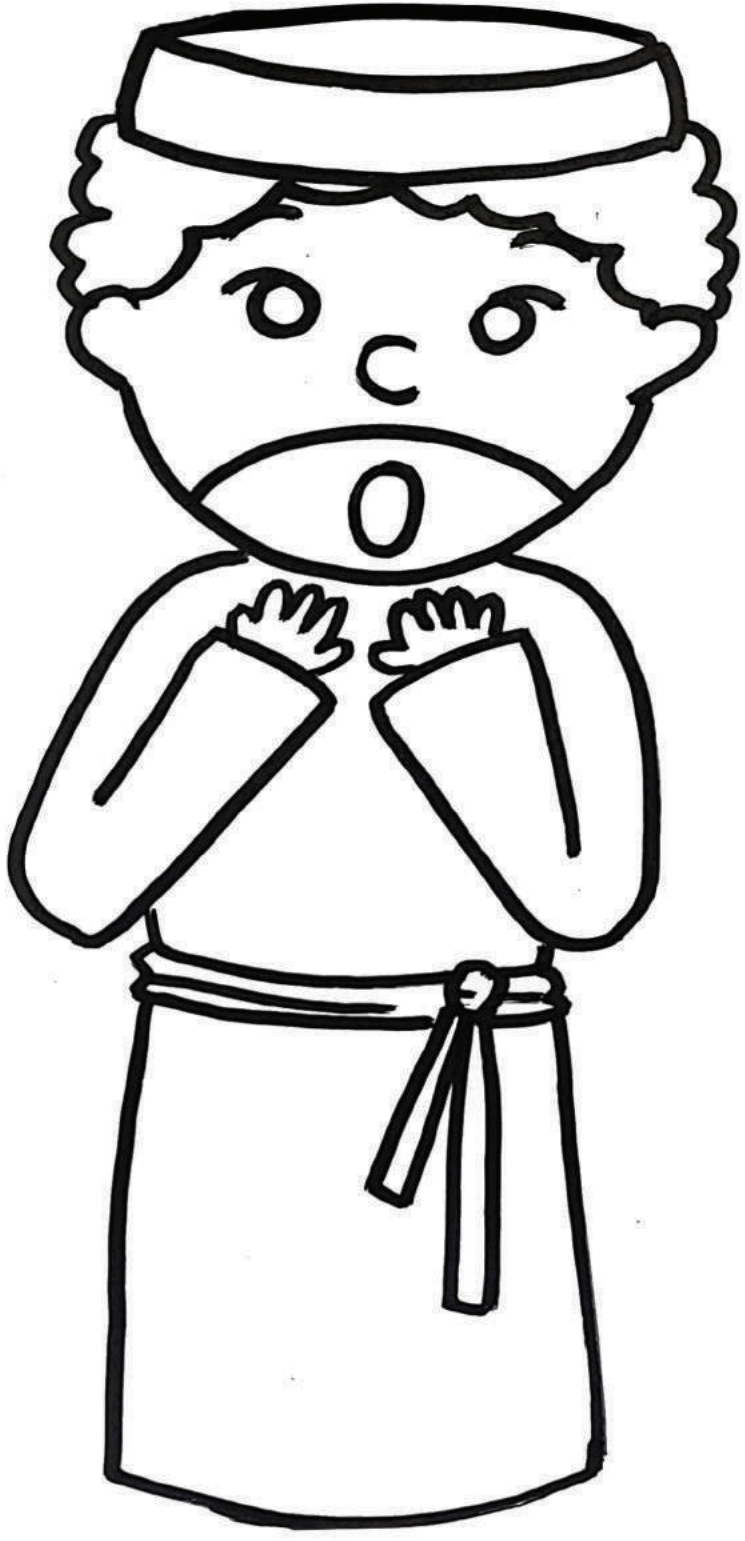
FIRST MIRACLE JESUS MADE

6D - PERSON ENJOYING THE WINE

6C - MARIA

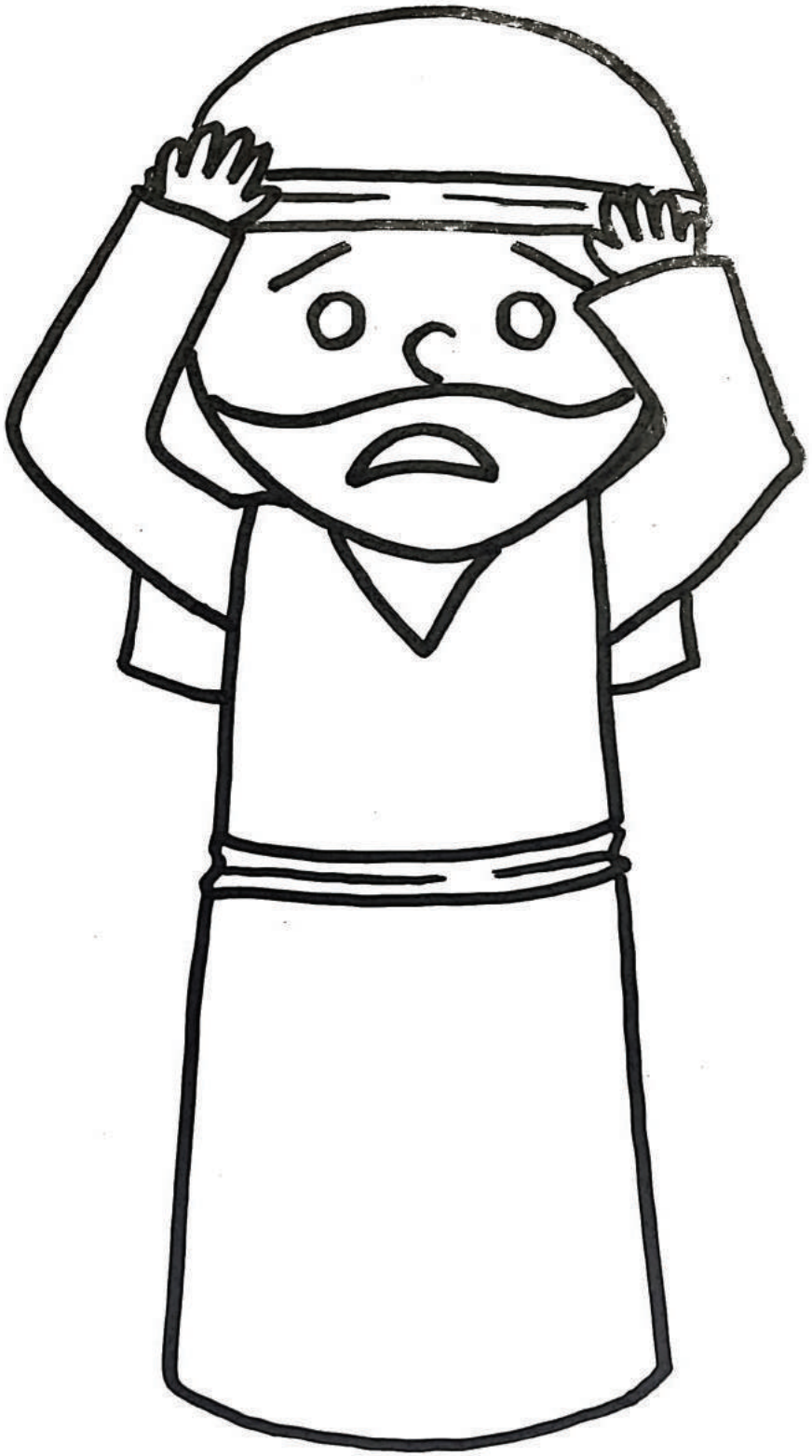
FIRST MIRACLE JESUS MADE



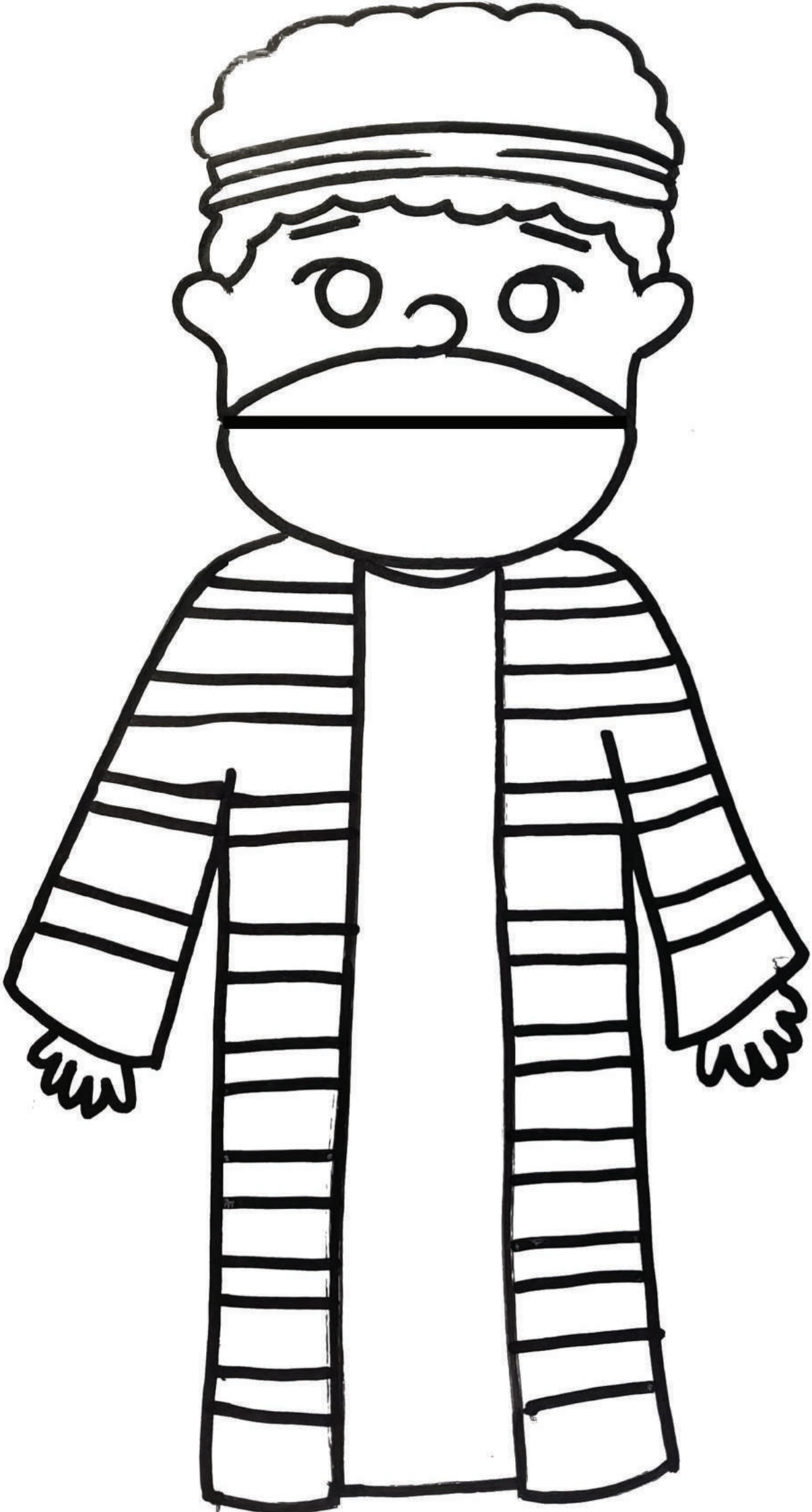


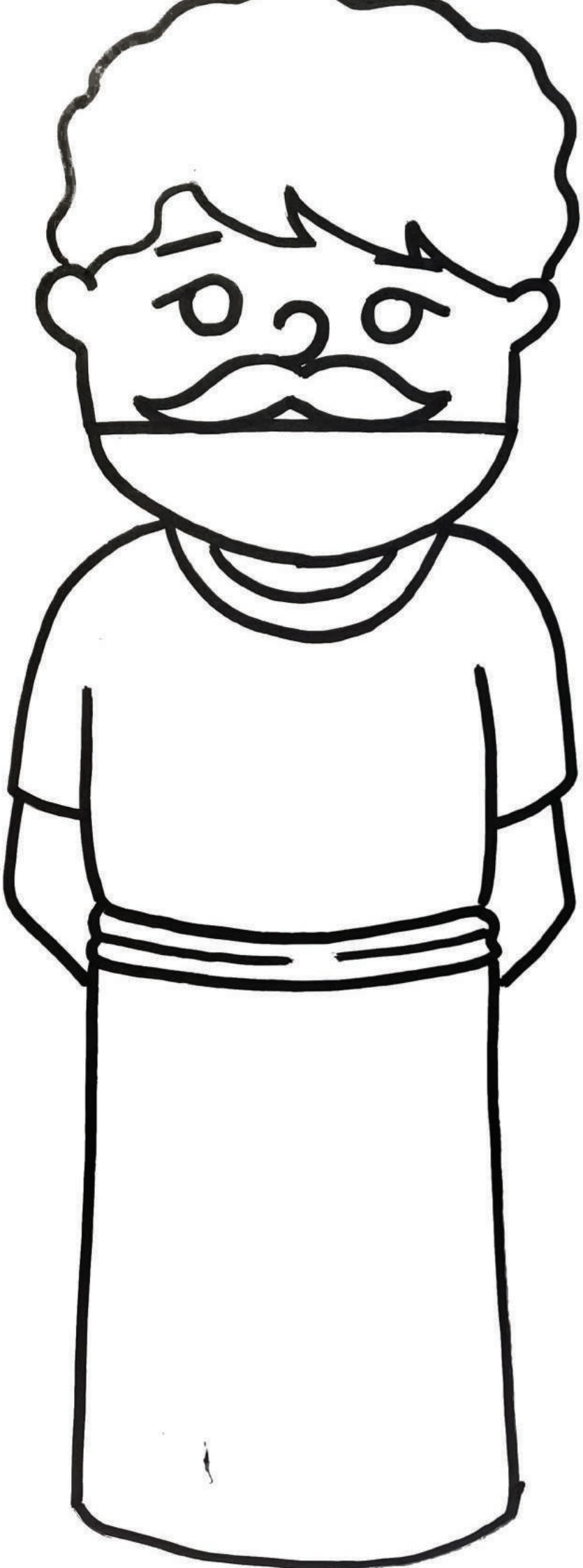
JESUS, IT IS THE STORM, I'M SCARED

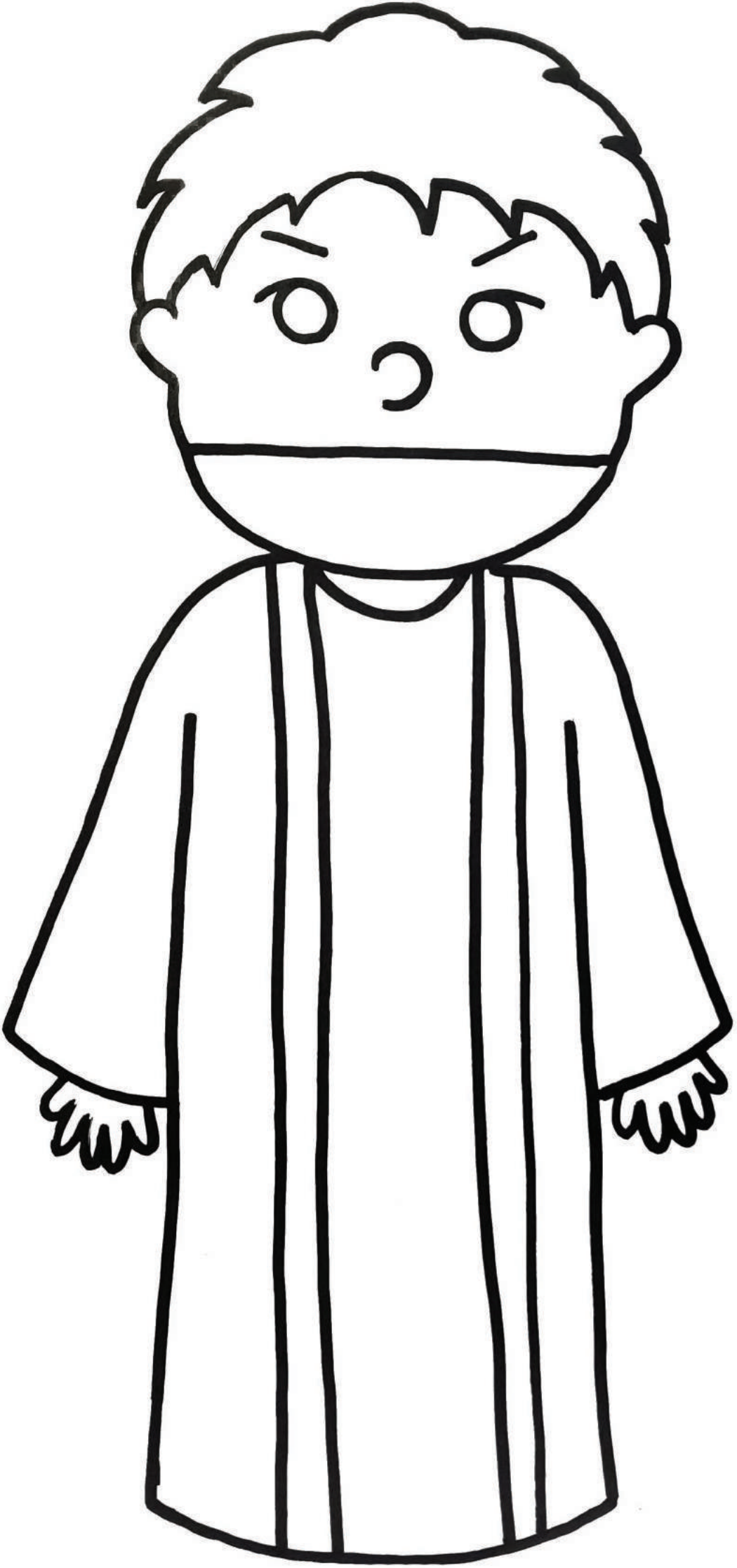


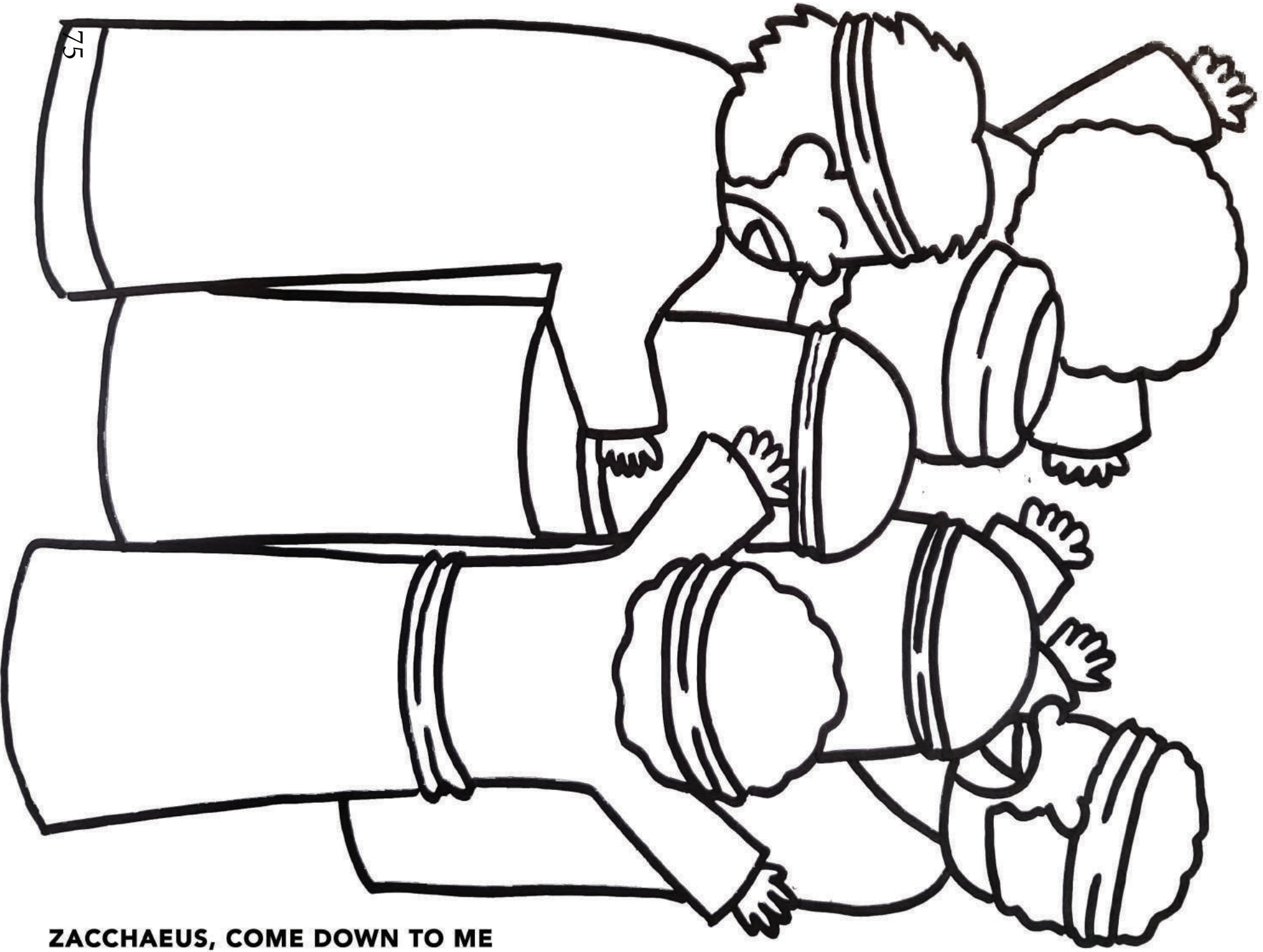


JESUS, IT IS THE STORM, I'M SCARED









ZACCHAEUS, COME DOWN TO ME



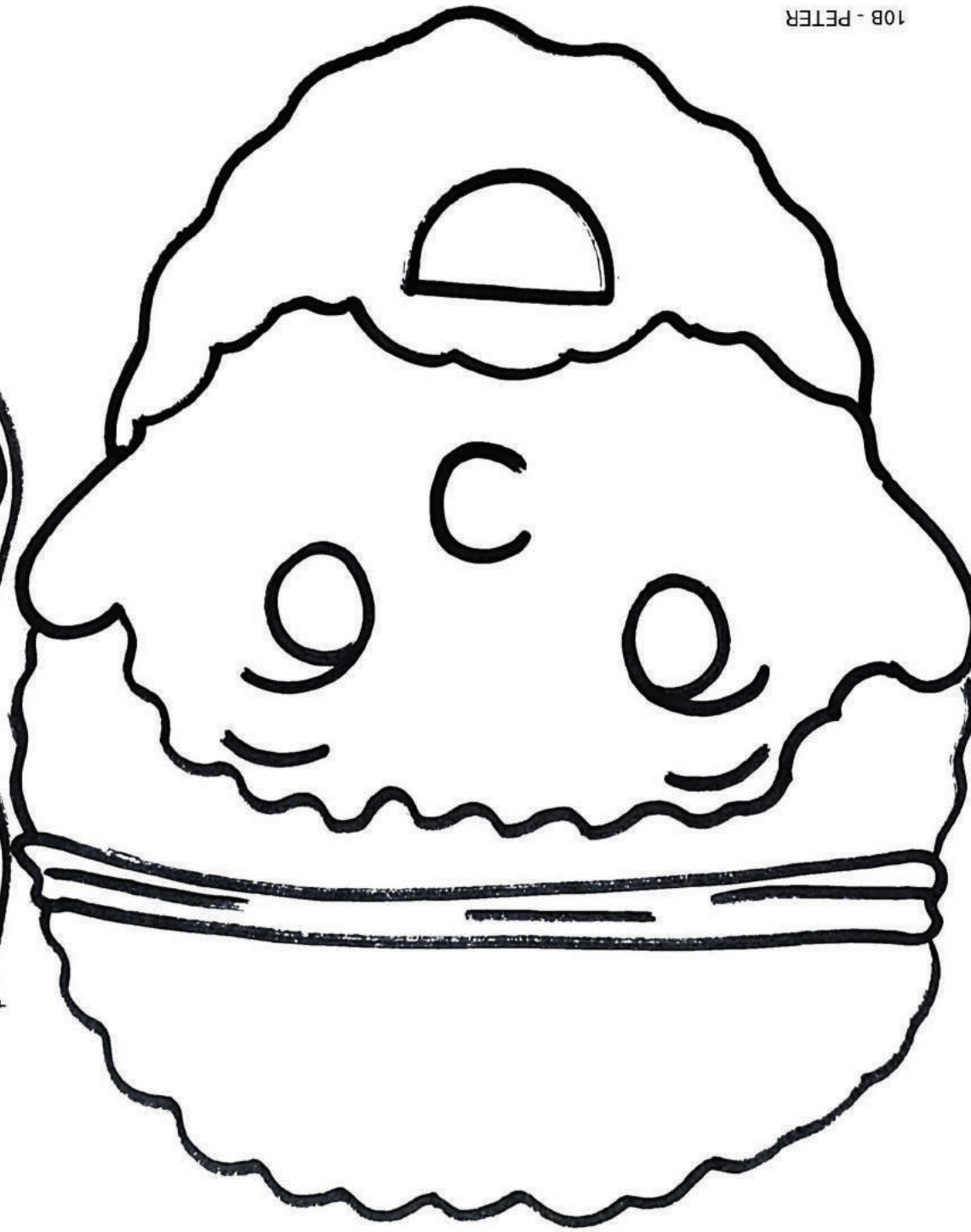


ZACCHAEUS, COME DOWN TO ME

ZACCHAEUS, COME DOWN TO ME



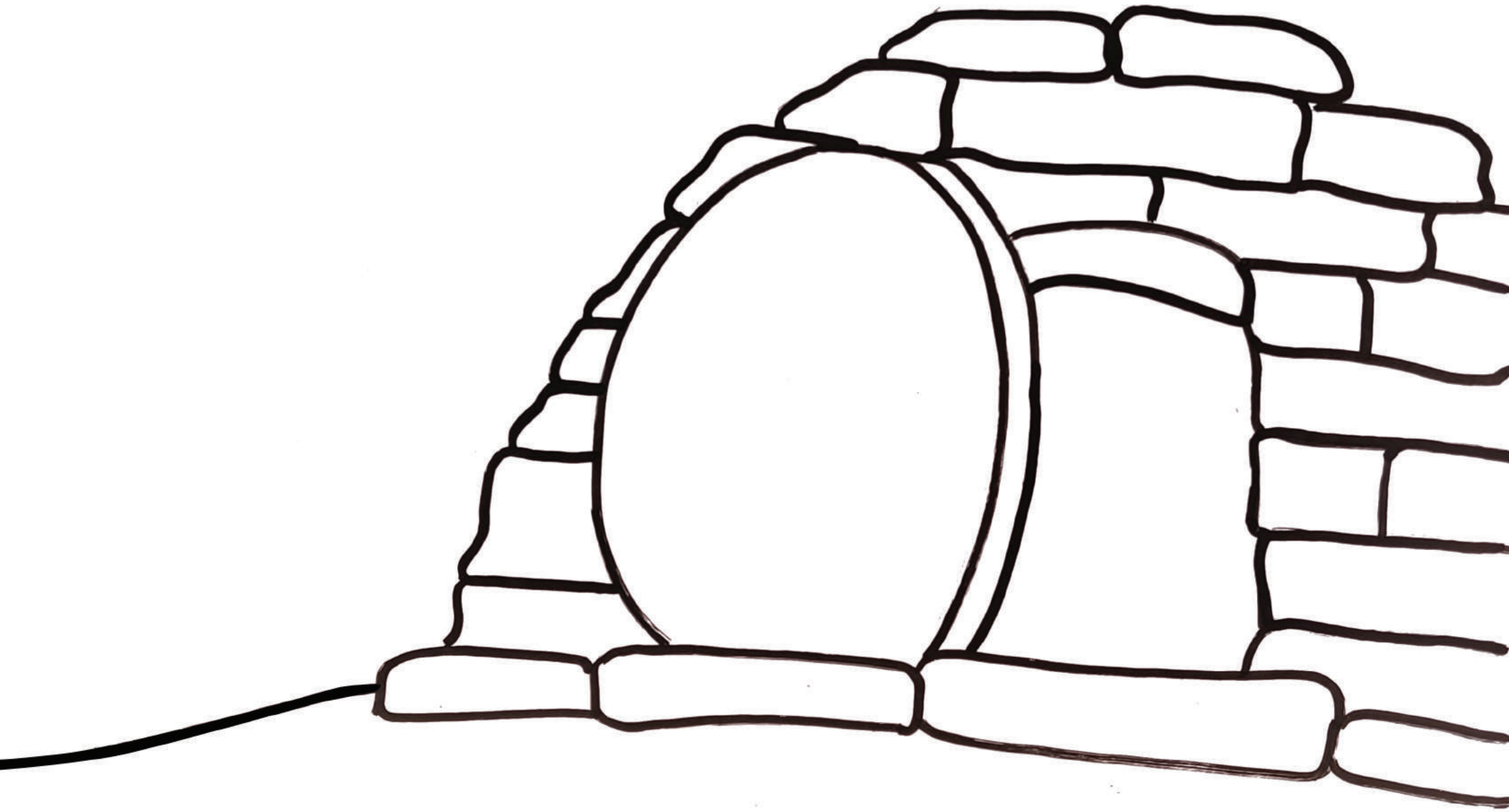
10A - JESUS



10B - PETER

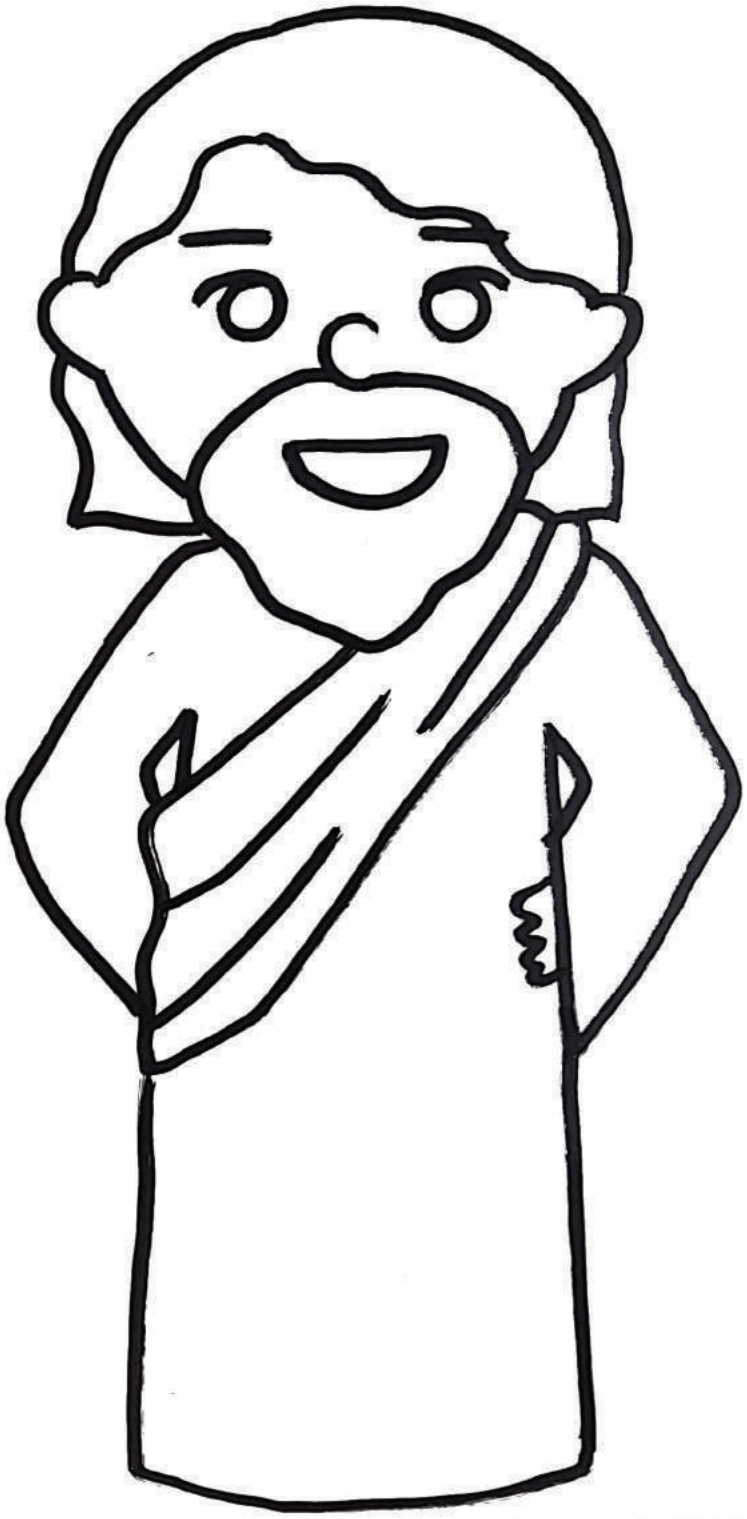
BRING THE CHILDREN TO ME (HEADBAND)

11-4



THE DEAD LAZARUS IS ALIVE

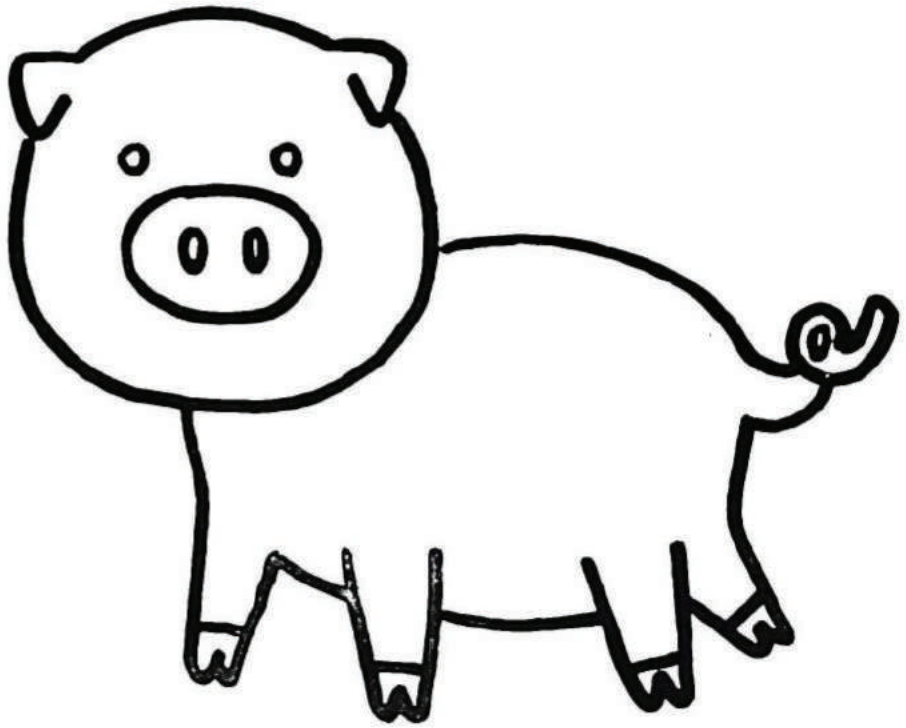




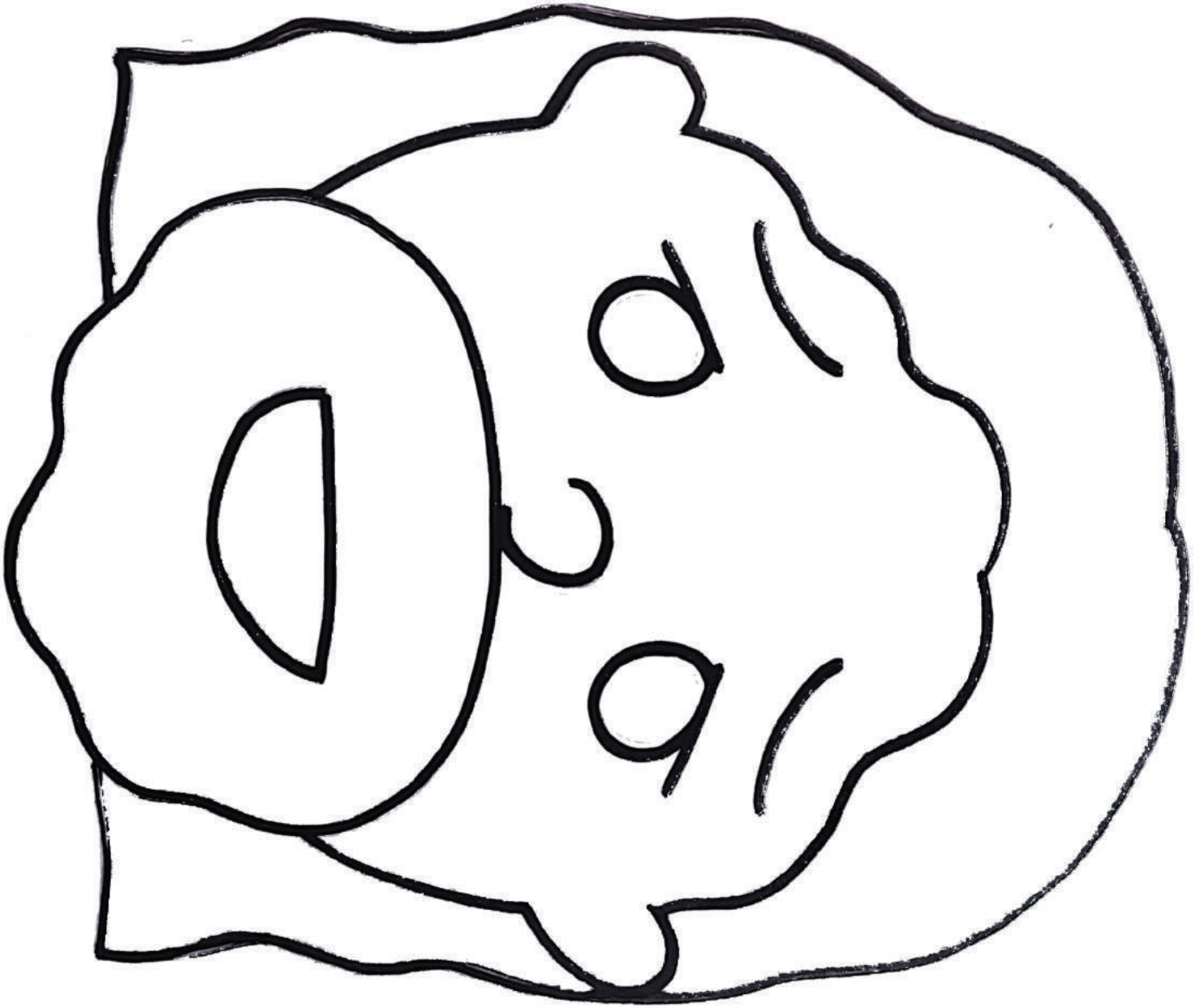
THE DEAD LAZARUS IS ALIVE

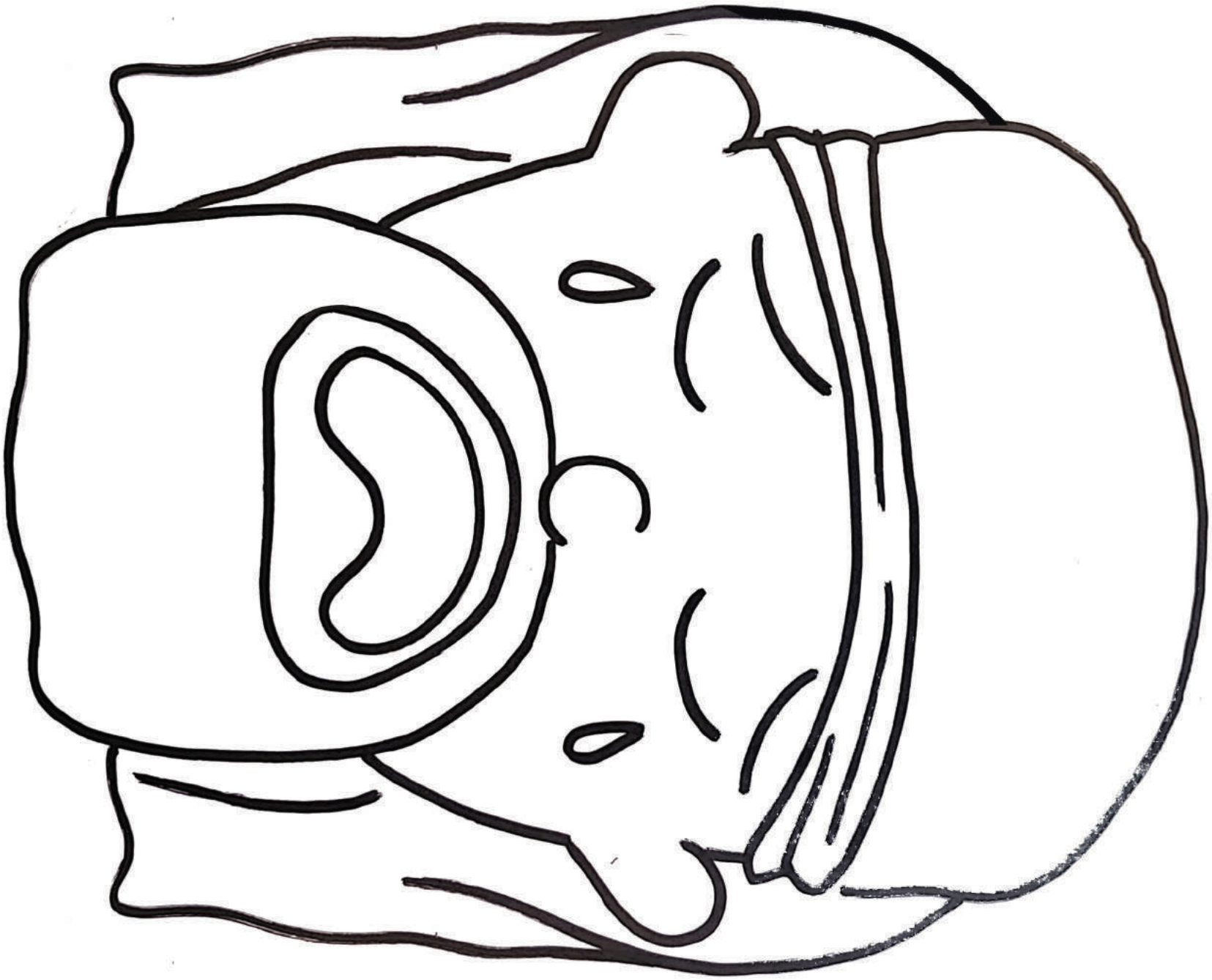


THE DEAD LAZARUS IS ALIVE



8. FATHER, I WANNA GO BACK HOME





LITTLE GIRL, GET UP!

